



विजयादशमी: दिल्ली में हुआ रावण दहन



■ द्वारका में 221 फुट ऊंचे रावण के पुतले का दहन प्रधानमंत्री ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में मंगलवार को विजयादशमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। विभिन्न रामलीला मैदानों में राम-रावण युद्ध के मंचन के बाद रावण के पुतलों का दहन किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत कई प्रमुख हस्तियां दशहरा समारोह में शामिल हुईं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारका सेक्टर-10 में आयोजित दशहरा समारोह में पहुंचीं। यहां द्वारका श्री रामलीला सोसायटी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में 221 फुट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी मौजूद रहीं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज स्थित आईपी एक्सटेंशन रामलीला समिति के दशहरा समारोह में शामिल हुए। उन्होंने देशवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रामलीलाओं का मंचन प्रभु श्रीराम के आदर्शों को जीवंत रखने की परंपरा है। यह अत्याचार के अंत और असत्य पर सत्य की विजय का संदेश देता है।

भागवत का संबोधन राष्ट्र निर्माण और सामाजिक एकता का प्रेरक संदेश : मोदी

■ प्रधानमंत्री ने विजयादशमी भाषण की सराहना की, आत्मनिर्भरता, सेवा, चरित्र निर्माण और पंच परिवर्तन को बताया महत्वपूर्ण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत के विजयादशमी संबोधन को अत्यंत प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि इसमें राष्ट्र की प्रगति, सामाजिक एकता, आत्मनिर्भरता और समाज के सशक्तीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार रखे गए हैं। उन्होंने सेवा और राष्ट्र निर्माण पर दिए गए जोर की सराहना करते हुए कहा कि ये संघ के स्वयंसेवकों के जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि नागपुर में संघ के शताब्दी वर्ष के विजयादशमी उत्सव पर भागवत का संबोधन प्रेरणादायी रहा। उन्होंने पंच परिवर्तन का उल्लेख करते हुए इसे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए महत्वपूर्ण बताया। भागवत ने अपने संबोधन में आत्म-



जागरूकता, स्वदेशी, सामाजिक समरसता, पारिवारिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा विविधता के बीच एकता का संदेश देती है। समाज के विभिन्न वर्गों को अपनी पहचान बनाए रखते हुए राष्ट्रीय एकता और आपसी

सद्भाव को मजबूत करना चाहिए। भागवत ने पंच परिवर्तन को केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बनाने की आवश्यकता बताई। इसके पांच प्रमुख आयाम सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व-बोध एवं स्वदेशी और

नागरिक अनुशासन हैं। उन्होंने कहा कि इन सिद्धांतों को व्यवहार में उतारने से ही समाज में स्थायी सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

उन्होंने परिवारों में जागरूकता, पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और नागरिक अनुशासन को वर्तमान समय की महत्वपूर्ण जरूरत बताया। उनके अनुसार, इन विषयों की प्रासंगिकता केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के दूसरे देश भी इनकी आवश्यकता महसूस कर रहे हैं।

मोहन भागवत ने संघ के शताब्दी वर्ष के दौरान चलाए गए जनसंपर्क अभियान का उल्लेख करते हुए बताया कि संगठन ने देशभर के गांवों और शहरी बस्तियों तक पहुंचने का प्रयास किया। उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों, आत्मनिर्भरता और सामाजिक एकता को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिक्रिया को भागवत के संबोधन में उठाए गए मुद्दों के प्रति समर्थन के रूप में देखा जा रहा है। संबोधन में राष्ट्र निर्माण के साथ सामाजिक जिम्मेदारी, व्यक्तिगत आचरण में सुधार और देश की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया गया।

अमित शाह ने पंजाब सरकार पर साधा निशाना, बोले-

पंजाब में नशे की पुड़िया कैसे पहुंच रही?

■ 20 हजार करोड़ रुपये की ड्रग पकड़े जाने का किया जिक्र

■ नशे के खिलाफ आवाज उठाने वालों की मौत पर जताया दुख

लुधियाना, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर नशे के कारोबार को लेकर निशाना साधा। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से सवाल किया कि जब बंदरगाहों पर 20 हजार करोड़ रुपये की ड्रग पकड़ी गई, तो पंजाब में नशा पुड़िया बनकर कैसे पहुंच रहा है। उन्होंने राज्य में नशे के कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की।

विजयादशमी के अवसर पर लुधियाना पहुंचे शाह ने गुरदासपुर,



संगरूर और मानसा में नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों की मौत और आत्महत्या की घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि गुरदासपुर के 40 वर्षीय विक्रमजीत सिंह, संगरूर के गुलजार सिंह और मानसा के परविंदर सिंह झोटा से जुड़े मामलों ने उन्हें गहरे तक झकझोर दिया है।

शाह ने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में कई दुखद घटनाओं के बाद पीड़ित परिवारों से मुलाकात की है, लेकिन पंजाब के

लोगों की पीड़ा सुनकर उन्हें बेहद दुख हुआ। उन्होंने सवाल किया कि जिन परिवारों ने अपने बेटे, भाई या पति को खोया है, उन्हें पंजाब सरकार क्या जवाब देगी।

गृह मंत्री ने कहा कि वह पहले भी पंजाब में नशे के खिलाफ आयोजित भाजपा की रैली में कारोबार समाप्त करने की अपील कर चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नशे के मुद्दे पर कार्रवाई के बजाय उन पर ही आरोप लगाए गए।

शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक मामले की जांच सीबीआई को सौंपी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मामले में जो भी दोषी होगा, उसे तलाशकर कानून के हवाले किया जाएगा। पंजाब सरकार से नशे और चिट्ठे के कारोबार को समाप्त करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

टाइगर श्रॉफ पर गोलीबारी मामले पर विपक्ष ने फडणवीस सरकार को घेरा

हमलावरों के आकाओं को कहीं से भी ढूंढकर निकालेंगे : फडणवीस

मुंबई। अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर रविवार शाम हुई गोलीबारी के बाद महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। हमले में टाइगर बाल-बाल बच गए, जबकि उनका चालक घायल हो गया और अस्पताल में भर्ती है। टाइगर को भी हल्की चोटें आने की जानकारी सामने आई है। विपक्षी दलों ने घटना को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए राज्य में 'जंगलराज' होने का आरोप लगाया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमलावरों के आका कहीं भी छिपे हों, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में सक्रिय आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि साजिश के मुख्य आरोपी राज्य से बाहर जा विदेश में रहकर काम कर रहे हैं।



16 नवंबर को रात 9.37 पर बंद होंगे बदरीनाथ मंदिर के कपाट

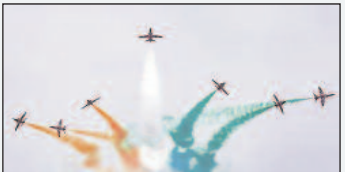


बदरीनाथ। विजयदशमी पर्व पर बदरीनाथ मंदिर के कपाट बंद होने की तिथि घोषित कर दी गई है। आगामी 16 नवंबर को रात्रि 9 बजकर 37 मिनट पर परंपरागुनार बदरीनाथ मंदिर के कपाट के शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। धर्माधिकारी स्वयंवर सेमवाल ने पंचांग गणना के आधार पर तिथि घोषित की। 12 नवंबर से बदरीनाथ कपाट बंद होने के तहत पंच पूजाएं शुरू हो जाएंगी और 17 नवंबर को बदरीनाथ पंचायत (बदरीनाथ मंदिर गर्भगृह) से उद्भव व कुबेर भगवान

के साथ आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी शीतकालीन प्रवास के लिए प्रस्थान करेंगी। मंगलवार को बदरीनाथ मंदिर परिसर में आयोजित समारोह में कपाट बंद होने की तिथि तय हुई। बीकेटीसी के उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, विजय प्रभावण, प्रह्लाद पुष्पवान, राजेंद्र डिमरी, रजनीश भट्ट, बीकेटीसी के सीईओ सोहन सिंह गंगड़ की मौजूदगी में बदरीनाथ मंदिर के गवल अमरनाथ नंबूदरी ने कपाट बंद होने की तिथि की विधिवत घोषणा की। इससे पूर्व धर्माधिकारी आचार्य स्वयंवर सेमवाल, वेदपाठी डॉ. रविंद्र भट्ट, आचार्य पंचांग गणना के पश्चात कपाट बंद होने की तिथि निश्चित की। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि कपाट बंद होने से पहले संघ होने वाली पंच पूजाओं का कार्यक्रम भी तय हुआ है। 12 नवंबर को भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर मंदिर के कपाट बंद कर लिए जाएंगे।

वाराणसी : 22 से 25

तक होगा भव्य एयर शो



वाराणसी, (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना दिवस की 94वीं वर्षगांठ के अवसर पर वाराणसी के नमो घाट पर 22, 24 और 25 अक्टूबर को भव्य एयर शो का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए वायुसेना ने नमो घाट परिसर को अपने नियंत्रण में ले लिया है। इससे पहले 21 अक्टूबर को (आज) सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक अतिम अभ्यास होगा। इसमें 20 से अधिक आधुनिक लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर गंगा के ऊपर करतब दिखाएंगे। सुरक्षा कारणों से नमो घाट पर आम लोगों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। लोग अस्सी घाट से राजघाट तक विभिन्न घाटों से एयर शो देख सकेंगे। चंदौली के लोग डोमरी से रामनगर के बीच नदी तट और मैदानी इलाकों से विमानों का प्रदर्शन देख पाएंगे। प्रशासन का अनुमान है कि एयर शो देखने के लिए वाराणसी और आसपास के जिलों से 20 लाख से अधिक लोग पहुंच सकते हैं। भीड़ नियंत्रण, यातायात और सुरक्षा के लिए पांच हजार से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। गाजीपुर, जौनपुर और चंदौली के प्रशासनिक अधिकारियों को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

ममता बनर्जी ने सीजेपी

नेताओं की तत्काल

रिहाई की मांग की



नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कॉर्कोर जनाता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं आशुतोष रांका और सौरव दास की तत्काल रिहाई की मांग की है। जंतर-मंतर पर कथित अनधिकृत प्रवेश के मामले में दोनों की न्यायिक हिरासत दो दिन बढ़ाए जाने पर उन्होंने नाराजगी जताई और इसे राज्य-प्रयोजित आतंकवाद करार दिया।

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर आरोप लगाया कि युवाओं को निशाना बनाकर लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विश्वास रखने वालों को दोनों नेताओं की तत्काल रिहाई सुनिश्चित करनी चाहिए। दोनों नेताओं को 14 अक्टूबर को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। सोमवार को हिरासत की अवधि समाप्त होने पर उन्हें विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। दिल्ली पुलिस ने हिरासत बढ़ाने की मांग की, जिसके बाद उनकी न्यायिक हिरासत दो दिन और बढ़ा दी गई। सीजेपी की कानूनी मामलों की प्रमुख रत्ना सिंह ने हिरासत बढ़ाने के फैसले पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि अभियोजन पक्ष ने पर्याप्त कानूनी दलीलें पेश नहीं कीं। उन्होंने दोनों नेताओं की रिहाई की मांग की। मामला जंतर-मंतर पर कथित तौर पर बिना अनुमति प्रवेश करने से जुड़ा है। ममता बनर्जी ने अपनी पोस्ट में कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए आवाज उठाने वालों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए।

बेंगलुरु जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान से टकराया पक्षी

सभी 148 यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विशाखापत्तनम से बेंगलुरु जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आईएक्स2065 पक्षी से टकरा गई। हालांकि, विमान ने मंगलवार को बेंगलुरु के केमंगोड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतरने में सफलता हासिल की। विमान में सवार सभी 148 यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं।

लैंडिंग के बाद विमान को पार्किंग स्थल पर ले जाया गया। मानक सुरक्षा प्रक्रिया के तहत तकनीकी टीम ने विमान की विस्तृत जांच शुरू कर दी है, ताकि उसके ढाँचे और इंजन को हुए संभावित नुकसान का पता लगाया जा सके। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

इस बीच, पश्चिम एशिया में बदलते सुरक्षा हालात के कारण भारतीय विमानन कंपनियों ने सऊदी अरब के लिए कई उड़ानें अस्थायी रूप से रद्द कर दी हैं। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने रियाद, जेद्दा तथा दम्माम के लिए उड़ानों का निलंबन 20 अक्टूबर तक बढ़ाया है। इंडिगो ने इन शहरों के साथ मदीना के लिए भी 24 अक्टूबर तक उड़ानें रद्द की हैं। अकासा एयर ने रियाद के लिए 24 अक्टूबर और जेद्दा के लिए 21 अक्टूबर तक सेवाएं निलंबित रखी हैं।

22 अक्टूबर को रामपुर आएंगे अखिलेश यादव, आजम खान से जेल में करेंगे मुलाकात



रामपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 22 अक्टूबर को रामपुर आएंगे। इस दौरान वह जिला कारागार में बंद पूर्व मंत्री आजम खां से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा आजम खां के परिवार से भी मिलने का कार्यक्रम है।

जारी कार्यक्रम के अनुसार, अखिलेश यादव सुबह 11 बजे लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट से निजी विमान से रवाना होंगे। सुबह 11:45 बजे बरेली एयरपोर्ट पहुंचने के बाद 11:55 बजे हेलीकॉप्टर से रामपुर के लिए उड़ान भरेंगे। दोपहर 12:20 बजे जौहर विश्वविद्यालय पहुंचेंगे और वहां से कार द्वारा जिला कारागार जाएंगे। दोपहर 12:45 बजे आजम खां से मुलाकात करेंगे। इसके बाद दोपहर 1:45 बजे वह जेल रोड स्थित आजम खां के आवास पहुंचकर उनके परिवार से मिलेंगे। दोपहर 2:30 बजे आवास से रवाना होकर जौहर विश्वविद्यालय पहुंचेंगे और वहां से हेलीकॉप्टर के जरिए बरेली के लिए रवाना हो जाएंगे।

कुछ दिन पहले आजम खां की पत्नी और पूर्व सांसद तजीन फातिमा ने लखनऊ में अखिलेश यादव से मुलाकात की थी। उस दौरान अखिलेश ने जल्द रामपुर आने का आश्वासन दिया था। सपा जिलाध्यक्ष अजय सागर ने बताया कि दौरे की तैयारियां की जा रही हैं।

कोलकाता के बाजार में भीषण आग, 15 दुकानें जलकर खाक

कोलकाता, (एजेंसी)। दक्षिण कोलकाता के बाघा जतिन इलाके के एक बाजार में मंगलवार तड़के भीषण आग लगने से करीब 15 दुकानें जलकर खाक हो गईं। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 15 गाड़ियों को लगाया गया। लगभग तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझाई जा सकी। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, आग मंगलवार सुबह करीब चार बजे पूजा सामग्री बेचने वाली एक दुकान में लगी थी। देखते ही देखते आग

ने आसपास की दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलने पर दमकलकर्मी और नेताजी नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल की गाड़ियों की संख्या बढ़ाई गई।

दमकलकर्मीयों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और उसे बाजार के दूसरे हिस्सों में फैलने से रोका। अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। शुरूआती अनुमान में करीब 15 दुकानों के जलने की बात

सामने आई है। नुकसान का वास्तविक आकलन जांच पूरी होने के बाद किया जाएगा।

आग के कारण गरिया और जादवपुर को जोड़ने वाली राजा एससी मल्लिक रोड पर यातायात भी प्रभावित हुआ। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली।

घटना की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में व्यापारी बाजार पहुंचे। त्योहार के समय दुकानों में आग लगने से व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है। जादवपुर से भाजपा विधायक शरबरी मुखर्जी भी घटनास्थल पर पहुंचीं।



दिल्ली में प्रदूषण से निपटने के लिए शीतकालीन कार्ययोजना तैयार, 1 नवंबर से पाबंदियां लागू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने सर्दियों में बढ़ने वाले वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए 1 नवंबर से 28 फरवरी तक शीतकालीन कार्ययोजना लागू करने की तैयारी की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसके तहत वाहनों, निर्माण कार्यों और कार्यालयों से जुड़े कई उपायों की जानकारी दी है।

योजना के तहत वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) के बिना ईंधन नहीं देने की नीति लागू की जाएगी। दिल्ली के बाहर से आने वाले बीएस-6 से कम मानक वाले वाहनों के प्रवेश पर भी प्रतिबंध लगाने की घोषणा की गई है।



मुख्यमंत्री के अनुसार, निर्माण और तोड़फोड़ के कार्यों पर रोक, निर्माण स्थलों की कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी और कार्यालयों में 50

प्रतिशत कर्मचारियों के लिए घर से काम करने की व्यवस्था जैसे उपाय भी शामिल हैं।

रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रदूषण

पर नियंत्रण के लिए सरकार के साथ नागरिकों की भागीदारी भी जरूरी है। उन्होंने इलेक्ट्रिक बसों, मेट्रो सेवाओं, अंतिम छोर तक सार्वजनिक परिवहन की सुविधा और साइल वाहन व्यवस्था को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

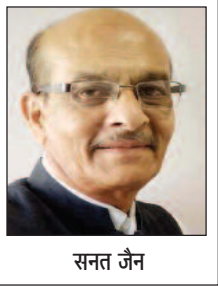
मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर कहा कि दिल्ली सर्दियों के प्रदूषण से निपटने के लिए समय रहते कदम उठा रही है। सरकार का उद्देश्य परिवहन और निर्माण गतिविधियों से होने वाले प्रदूषण को कम करना तथा लोगों को स्वच्छ हवा उपलब्ध कराने के प्रयासों को मजबूत करना है।

संपादकीय

रस्म—अदायगी का बोध

विपक्षी दल "वोट चोरी" के सवाल पर पहल अपने हाथ में लेने से हिचक गए हैं। इसके बदले उन्होंने खुद को प्रतिरोध जताने और न्यायपालिका की पनाह में जाने के पारंपरिक तौर-तरीकों तक सीमित रखा है।पहले कांग्रेस कार्य समिति और फिर इंडिया गठबंधन की बैठक में जो तय हुआ, उसका सार है कि विपक्षी दल "वोट चोरी" के सवाल पर पहल अपने हाथ में लेने से हिचक गए हैं। इसके बदले उन्होंने खुद को प्रतिरोध जताने और न्यायपालिका की पनाह में जाने के पारंपरिक तौर-तरीकों तक सीमित रखा है। इस सवाल पर उनमें कितनी उलझन या अनमनापन है, वह कांग्रेस कार्य समिति के मांग-पत्र से जाहिर हुआ। उसमें पहली मांग मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की रखी गई तथा चौथी एवं आखिरी मांग प्रधानमंत्री के इस्तीफे की ! अगर किसी मुद्दे पर किसी पार्टी को प्रधानमंत्री का इस्तीफा मांगने की जरूरत महसूस होती है, तो स्पष्टतः यह उसकी सवौपरि मांग होगी। इसीलिए प्रमुख विपक्षी दल ने जिस रूप में अपनी मांगें रखी, उससे रस्म—अदायगी का बोध ज्यादा हुआ। उधर इंडिया गठबंधन ने प्रतिरोध मार्च, निर्वाचन आयोग तक सांसदों का जुलूस, और एक नवंबर को दिल्ली में विशाल रैली के आयोजन के पहले चार अन्य रैलियां करने का एलान किया है। इसके अलावा चुनाव प्रक्रिया को स्वच्छ बनाने के लिए हस्तक्षेप करने की गुजारिश करते हुए उसने सुप्रीम कोर्ट में याचिका देने का भी निर्णय लिया है। लेकिन इनमें कोई ऐसा कदम नहीं है, जिसे विपक्ष ने पहले ना आजमाया हो।यह उम्मीद रखने का शायद ही कोई आधार है कि इस बार उसके कार्यक्रमों को पहले से ज्यादा जन समर्थन मिलेगा। अधिक संभावना यही है कि उसका सारा विरोध औपचारिकता के दायरे में बंधा रह जाएगा। दरअसल, विपक्षी दल यह संदेश देने में भी नाकाम है कि "वोट चोरी" के मुद्दे वे सभी समान धरातल पर हैं। अरविंद केजरीवाल और अखिलेश यादव ने ज्ञानेश कुमार को निशाना बनाने से असहमति जताई है। उनकी दलील है कि मोदी सरकार को सत्ता से हटा दिया जाए, तो सभी संस्थाएं स्वतः ठीक हो जाएंगी। लेकिन यह एक ठोस मुद्दे को अति तरल या हवाई बना देना है, जिससे किसी जन आंदोलन की पृष्ठभूमि तैयार नहीं होती। मोदी सरकार को हटाने की बात चुनावी गणित और समीकरणों के दायरे में चली जाती है, जिसका मौजूदा विवाद के सिलसिले में उल्लेख अतार्किक है।

जनगणना के नए नियमों पर विवाद, जनगणना में संघ का हस्तक्षेप?



सनत जैन

भारत में जनगणना केवल आबादी गिनने की सरकारी प्रक्रिया नहीं है। देश की सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय तस्वीर तैयार करने का सबसे महत्वपूर्ण आधार हर 10 वर्ष में होने वाली जनगणना है। इसी आंकड़े से सरकार की योजनाएं बनती हैं। संसाधनों का वितरण होता है। भविष्य की नीतियों की दिशा तय होती है। ऐसे महत्वपूर्ण कार्य को लेकर विवाद खड़ा होना निश्चित रूप से चिंता

का विषय है। वर्ष 2021 में होने वाली जनगणना में 6 वर्ष की देरी के बाद अब 2027 की जनगणना के लिए नियमों में बदलाव ने राजनीतिक बहस छेड़ दी है। जनगणना भी अब राजनीतिक विवादों का विषय बन गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन भारत के महाजिस्ट्रार कार्यालय ने 16 अक्टूबर 2026 को जनगणना नियम, 1990 में संशोधन की अधिसूचना जारी की है। जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 18 के तहत किए गए इस बदलाव के अनुसार अब सरकारी संस्थानों के साथ निजी शिक्षण संस्थानों, सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों, सोसायटियों, ट्रस्टों तथा विभिन्न संस्थानों के कर्मचारियों को भी गणना के काम में लगाया जा सकता है। इतना ही नहीं, राज्य सरकार या केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन जिसे उभयुक समझे, ऐसे व्यक्ति को भी गणनाकर्मि नियुक्त कर सकता है। सरकार का तर्क है, इतने विशाल देश में जनगणना के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित कर्मचारी जुटाना बड़ी चुनौती है। कई सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की संख्या कम है। ऐसे में केवल सरकारी कर्मचारियों पर निर्भर रहने से शैक्षणिक

कार्य और जनगणना के कार्य प्रभावित हो सकते हैं। दूसरी ओर, सवाल यह है, कर्मचारियों की कमी दूर करने के लिए क्या चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और राजनीतिक निष्पक्षता सुनिश्चित करने के पर्याप्त प्रबंध किए गए हैं? कांग्रेस ने इस बदलाव पर गंभीर आपत्ति जताई है। पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रशिक्षण शिविर और जनगणना को लेकर उसकी तैयारियों का हवाला देते हुए आशंका व्यक्त की है। नए नियमों से संघ से जुड़े लोगों को जनगणना में शामिल करने का रास्ता खोला गया है। जयराम रमेश ने आरोप लगाया है। कर्नाटक के बेलगांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का एक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया था, जिसमें जनगणना को लेकर प्रशिक्षण दिया गया है। कांग्रेस का आरोप है, कि जनगणना जैसी संवेदनशील प्रक्रिया में वैचारिक रूप से जुड़े लोगों की भूमिका आंकड़ों की निष्पक्षता को लेकर संदेह पैदा करती है। कांग्रेस की चिंता को केवल राजनीतिक विरोध कहकर खारिज करना भी उचित नहीं होगा। हाल के वर्षों में

चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूचियों और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहा है। मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया पर उठे विवादों ने संस्थागत विश्वसनीयता को सार्वजनिक बहस का विषय बना दिया है। चुनाव संबंधी आरोपों और जनगणना में संभावित गड़बड़ी में जातीय और धार्मिक आधार पर बड़े पैमाने पर गड़बड़ी किए जाने की आशंका व्यक्त की जा रही है। ऐसी स्थिति में सरकार की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। जनगणना के कर्मचारी किसी राजनीतिक दल, विचारधारा या संगठन के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि राष्ट्र की ओर से तथ्य जुटाने वाले अधिकारी और कर्मचारी होते हैं। उनकी नियुक्ति, प्रशिक्षण, पहचान, निगरानी और जवाबदेही तय की जाती है। सरकारी कर्मचारी होने के नाते वह अपने काम को नियम के साथ करते हैं और उसके लिए जिम्मेदार भी होते हैं। महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है, जनगणना 2027 की प्रक्रिया पूरी तरह रुकी हुई नहीं है। सरकार के अनुसार 2026 में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का पहला चरण शुरू हो चुका है।

आस्था की कीमत जान देकर चुकाते श्रद्धालु!



मनोज कुमार अग्रवाल

देश भर के धार्मिक आयोजन स्थलों पूजा पंडालों तीर्थ मंदिरों स्नान घाटों पर बर्दतजामी चरम पर है कमोवेश सभी जगह एक सी हालत है अब कोलकाता के उत्तर हिस्से में चितरंजन एवेन्यू के पास चौरबागान दुर्गापूजा पंडाल में 17 अक्टूबर शनिवार शाम मची भगदड़ में 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि 24 घायल हो गए।घायलों में एक की हालत गंभीर है। मृतकों में चार पुरुष, दो बच्चे और 13 महिलाएं शामिल हैं। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे बंगाल में हड़कंप मच गया है. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इन्में पूजा समिति के पदाधिकारी और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े लोग शामिल हैं. अदालत ने सभी आरोपियों को 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है. हादसे के बाद सरकार ने भीड़ सभालने के लिए नौ आईपीएस अधिकारियों को तैनात किया है. तमाम हिन्दू धार्मिक आयोजनों दुर्गा पूजा पंडाल गणेश विसर्जन यात्रा में अति उत्साह कुप्रबन्ध बना रहता है आम श्रद्धालु श्रद्धा के अतिरिक्त में घंटों भूख प्यास सह कर भी लाइन में लगरकर दर्शन पूजन के लिए अपनी बारी का इंतजार करता है। अधिकांश बड़े मंदिरों पर तो बाकायदा पैसे देकर वीआईपी दर्शन की सुविधा को ही वैधता दे दी गई है। बहरहाल इस सब बर्दतजामी के चलते अब आस्था का मोल श्रद्धालु अपनी जान देकर चुकाने को मजबूर हैं। आपको याद दिला दें कि श्रावण मास का तीसरे सोमवार 17 अगस्त 2026 को

श्रद्धालुओं के जीवन पर भारी पड़ गया। इस दिन विभिन्न राज्यों में धार्मिक स्थलों पर हुई भगदड़ और हादसों में कुल 27 लोगों की मौत हो गई। बिहार के लखीसराय स्थित अशोकधाम मंदिर में भगदड़ में 7 श्रद्धालुओं की जान चली गई, जबकि कई अन्य हादसों में कम से कम बीस जान गयीं हैं जबकि हताहतों की तादाद सैकड़ों की संख्या में है। घायल हुए। दरअसल यह हादसों की पहली बार नहीं है हिन्दू धर्म स्थानों पर कुप्रबन्ध अव्यवस्था रखरखाव में गड़बड़ी संकीर्ण गलियारों और श्रद्धालुओं की बढ़ती तादाद असंयमित व्यवहार के साथ ही अफवाहों की साजिशें हर पर्व त्योहार दर्शन स्नान मेलों में हादसों की श्रृंखला बना रहे हैं। आपको बता दें कि बिहार के अशोकधाम मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार पर जलाभिषेक के दौरान बिजली का खंभा गिरने और अफवाह फैलने से मची भगदड़ में 7 श्रद्धालुओं की मौत और 19 से अधिक घायल हुए। वहीं मध्य-प्रदेश में उज्जैन के महाकाल मंदिर सहित चार राज्यों में विभिन्न हादसों और भीड़ के दबाव के कारण कुल 27 लोगों की जान चली गई।अभी दो माह पहले ही महाराष्ट्र के परभणी जिले की मानवत तहसील स्थित यशवादी मारुति मंदिर में शनिवार को हुआ दर्दनाक हादसा पूरे देश को झकझोर दिया । मंदिर परिसर के सामने बना सभा मंडप अचानक भूभराकर गिर पड़ा, जिसके कारण कई श्रद्धालु मलबे में दब गए छह लोगों की मौत हो गई थी। आपको याद होगा कि महाकुंभ मेला, प्रयागराज जनवरी 2025 मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर संगम में पवित्र स्नान के लिए लाखों श्रद्धालु एकत्र हुए थे। अखाड़ा मार्ग पर तीर्थयात्रियों के अत्यधिक दबाव से अचानक बैरिकेड्स ढह गए। इस दर्दनाक हादसे में 30 से अधिक लोगों की मौत हुई और 60 से ज्यादा घायल हुए।इसी तरह तिरुमाला वेंकटेश्वर मंदिर, आंध्र प्रदेश में जनवरी 2025 वैकुंठ एकादशी त्योहार के दौरान वीआईपी और सामान्य दर्शन टिकट लेने के लिए हजारों श्रद्धालुओं के बीच धक्का-मुक्की शुरू हुई। इस भीड़ के अनियंत्रित होने से मची भगदड़ में 6 श्रद्धालुओं की मौत हुई और 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए।

वहीं हाथरस सत्संग, उत्तर प्रदेश 2 जुलाई 2024 को एक धार्मिक आयोजन में बरती गयी लापरवाही सैकड़ों श्रद्धालुओं की जान ले गयी। यह हाल के वर्षों की सबसे भीषण घटनाओं में से एक है। क्षमता से तीन गुना अधिक यानी करीब 2.5 लाख लोग एक अस्थायी टेंट में जमा हो गए थे। बाबा के जाने के बाद धूल छूने की होड़ और अत्यधिक गर्मी व उमस के कारण मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई। माता वैष्णो देवी भवन जनवरी 2022 को नए साल के मौके पर जम्मू-कश्मीर के कटरा में स्थित वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच हुई रेलमेल में 12 लोगों की जान चली गई थीरतनगढ़ माता मंदिर, दतिया मध्य-प्रदेश में अक्टूबर 2013 नवरात्रि के दौरान मंदिर की ओर जा रहे श्रद्धालुओं के बीच पुल टूटने की अफवाह उड़ी, जिससे मची भगदड़ में 89 लोगों की मौत हुई थी। छठ घाट पर नवंबर 2012 में बिहार की राजधानी पटना में छठ पर्व के दौरान नदी घाट पर अचानक मची अफान-तफरी के कारण 20 व्रतियों और श्रद्धालुओं की मौत हो गई थीनैना देवी मंदिर, हिमाचल प्रदेश में अगस्त 2008 भूस्खलन और चट्टानें गिरने की झूठी अफवाह के बाद फैली दहशत से 162 से अधिक श्रद्धालुओं की कुचलकर मौत हो गई थी।चामुंडा देवी मंदिर, जोधपुर में सितंबर 2008 नवरात्रि के दौरान मंदिर परिसर में बम होने की अफवाह फैलने से मची भयंकर भगदड़ में करीब 250 लोगों की जान चली गई थी।सबरीमाला, केरल जनवरी 2011 मकर-ज्योति के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं के बीच वाहन दुर्घटना के बाद मची भगदड़ में 104 से अधिक तीर्थयात्रियों की मौत हुई थी।मंधारदेवी मंदिर, महाराष्ट्र जनवरी 2005 में सालाना यात्रा के दौरान नारियल के पानी से सीढ़ियां फिसलनी होने के कारण लोग गिरते गए, जिसमें 340 से अधिक श्रद्धालु मारे गए थे। पिछले दिनों यूपी के बुदावन में इस्कोन मंदिर के गेट पर नगर निगम द्वारा लगाए गए शॉवर कुलर में अचानक करंट उतर आया। इसकी चपेट में आने से एक 21 वर्षीय श्रद्धालु की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। राजस्थान के खादू श्याम मंदिर में उमड़ने वाली भारी

भीड़, कुप्रबंधन, और उचित कतरां न होने के कारण अक्सर भगदड़ और विवाद जैसी स्थितियां सामने आती हैं। उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद में स्थित विश्व प्रसिद्ध ठाकुर बाके बिहारी मंदिर के समीप एक हृदयविदारक हादसा सामने आया है। मंदिर के गेट नंबर 5 के पास स्थित एक पत्नी में अचानक एक पुराने मकान का छज्जा गिर गया, जिसकी चपेट में आने से वहां से गुजर रहे कई श्रद्धालु घायल हो गए थे। भारत आस्था और श्रद्धा का देश है। यहां प्रतिदिन लाखों लोग मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और अन्य धार्मिक स्थलों पर पहुंचते हैं। विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे में इन स्थानों की संरचनात्मक मजबूती और सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में धार्मिक स्थलों पर भगदड़, दीवार गिरने, छत ढहने करंट उतरने और अन्य दुर्घटनाओं में अनेक लोगों की जान जा चुकी है। हाल ही में महाराष्ट्र के सांगली जिले में भी मंदिर परिसर से जुड़ी एक दुर्घटना में कई श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई थी। ऐसी घटनाएं बताती हैं कि समस्या किसी एक स्थान या एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यापक स्तर पर सुरक्षा प्रबंधन की चुनौती है। वास्तविकता यह है कि अनेक धार्मिक आयोजन स्थलों पर श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन आधारभूत ढांचे का विस्तार और रखरखाव उसी गति से नहीं हो पा रहा। कई स्थानों पर अस्थायी शौच, मंडप और अन्य संरचनाएं बिना पर्याप्त तकनीकी परीक्षण के उपयोग में लाई जाती हैं। कई बार निर्माण कार्य स्थानीय स्तर पर करवा लिया जाता है, लेकिन इंजीनियरिंग मानकों और गुणवत्ता नियंत्रण की अनदेखी हो जाती है। जब तक कोई दुर्घटना नहीं होती, तब तक इन कमियों पर गंभीर ध्यान नहीं दिया जाता। प्रत्येक घटना के बाद केवल शोक व्यक्त करना पर्याप्त नहीं होगा। आवश्यक है कि राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन इन हादसों की निष्पक्ष जांच कराएं और इन तमाम हादसों के पीछे के तमाम कारणों का विश्लेषण कर जिम्मेदार दफ्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

सीजेपी के विरोध में ‘लाल हिट जनता पार्टी’ का उदय

सौरभ वाण्योय

लोकतंत्र में किसी विचार का जवाब दूसरा विचार है, किसी आरोप का जवाब प्रमाण है और किसी विवाद का बेहतर समाधान संवाद है। सीजेपी हो या ‘लाल हिट जनता पार्टी’, दोनों के लिए असली चुनौती एक-दूसरे को हराना नहीं, बल्कि जनता के सामने अपनी विश्वसनीयता साबित करना है। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब विरोध का अधिकार सुरक्षित रहे, विरोध का विरोध करने की स्वतंत्रता भी बनी रहे और दोनों के बीच कानून, मर्यादा तथा जनहित की सीमाओं का सम्मान किया जाए।

देश की राजनीति में विरोध और प्रतिरोध की नई तस्वीर सामने आ रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच अभिजीत दीपके से जुड़ी बताई जा रही कॉकरोच जनता पार्टी के मुकाबले ‘लाल हिट जनता पार्टी’ नाम से एक नए संगठन के सामने आने की खबर चर्चा का विषय बनी हुई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, दिल्ली में इस संगठन की पहली सदस्यता बैठक आयोजित की गई, जिसमें शामिल लोगों ने सीजेपी, कांग्रेस और अन्य प्रदर्शनकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए। इस घटनाक्रम ने एक बार फिर यह बहस तेज कर दी है कि लोकतंत्र में विरोध की सीमा क्या होनी चाहिए और असहमति का जवाब किस तरीके से दिया जाना चाहिए।‘लाल हिट जनता पार्टी’ के प्रमुख और संयोजक अयान भटनागर के बयानों के मुताबिक, इस संगठन का उद्देश्य चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि सीजेपी और उसके विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करना है। उनका दावा है कि संगठन भविष्य की रणनीति तैयार करेगा और विभिन्न स्थानों पर छोटे-बड़े समूहों के माध्यम से अपनी बात रखेगा। उन्होंने सीजेपी को खुली बहस की चुनौती भी दी है। उनके अनुसार, यदि विरोध करने वाले अपने विचारों को लेकर आश्वस्त हैं, तो उन्हें सार्वजनिक चर्चा के लिए आगे आना चाहिए। यह घटनाक्रम केवल दो संगठनों के बीच टकराव की कहानी नहीं है। इसके पीछे लोकतांत्रिक विरोध, राजनीतिक लामबंदी, जनमत निर्माण और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रश्न मौजूद हैं। किसी संगठन का विरोध करना नागरिकों का अधिकार है, लेकिन उस विरोध की वैधता और प्रभाव का आकलन उसके नारों से नहीं, बल्कि उसके उद्देश्यों, तथ्यों और तरीकों से किया जाना चाहिए।लोकतंत्र में असहमति को दबाने के बजाय उसे सुनना और समझना आवश्यक है। किसी सरकारी संस्था, संवैधानिक पदाधिकारी या राजनीतिक दल के फैसलों से असहमति होने पर नागरिकों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने, अपनी बात रखने और सवाल पूछने का अधिकार प्राप्त है। इसी तरह, किसी प्रदर्शन से असहमत नागरिकों को भी अपनी राय व्यक्त करने तथा उसके विरोध में शांतिपूर्ण अभियान चलाने का अधिकार है।इस दृष्टि से %लाल हिट जनता पार्टी’ का सामने आना विरोध की राजनीति के जवाब में एक दूसरे विचार के उभरने के रूप में देखा जा सकता है। यदि एक समूह किसी संवैधानिक पदाधिकारी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा है, तो दूसरे समूह को उस प्रदर्शन की आलोचना करने से रोका नहीं जा सकता। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति इसी बहुलता में निहित है, जहां अलग-अलग विचारों को सामने आने का अवसर मिलता है।लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब वैचारिक असहमति व्यक्तिगत आरोपों, अपमानजनक भाषा और एक-दूसरे को सामने करने की राजनीतिक मानसिकता में बदल जाती है। लोकतंत्र में किसी विचार का मुकाबला बेहतर तर्क से होना चाहिए, न कि केवल तीखे नारों और उत्तेजक नामों से। किसी संगठन की लोकप्रियता का



वास्तविक आकलन इस बात से होगा कि वह जनता के सामने कौन-से तथ्य रखता है और जनहित के सवालों पर उसका दृष्टिकोण कितना स्पष्ट है।मीडिया रिपोर्टों में सीजेपी से जुड़े लोगों पर अराजकता फैलाने और विदेशी फंडिंग प्राप्त करने जैसे आरोप लगाए जाने की बात सामने आई है। इन आरोपों को गंभीरता से देखा जा सकता है, लेकिन किसी भी आरोप को प्रमाण के बिना स्थापित तथ्य मान लेना उचित नहीं होगा। यदि किसी संगठन की गतिविधियों, वित्तीय स्रोतों या प्रदर्शन के दौरान उसके आचरण को लेकर संदेह है, तो संबंधित तथ्यों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता सभी संगठनों के लिए आवश्यक है। जो संगठन जनता के नाम पर आंदोलन करते हैं, उनसे यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वे अपने उद्देश्यों, नेतृत्व, वित्तीय संसाधनों और गतिविधियों के संबंध में जवाबदेह रहें। लेकिन यही कसौटी उन संगठनों पर भी लागू होनी चाहिए जो विरोध प्रदर्शनों का प्रतिरोध करने के लिए सामने आते हैं।एक पक्ष पर लगाए गए आरोपों को दूसरे पक्ष की स्वतः निर्दोषता का प्रमाण नहीं माना जा सकता। कानून का शासन इसी सिद्धांत पर आधारित है कि जांच तथ्यों के आधार पर हो, न कि राजनीतिक पसंद और नापसंद के आधार पर। यदि किसी संगठन को लेकर गंभीर शिकायत है, तो सक्षम संस्थाओं को नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए। आरोपों के आधार पर किसी समूह को दोषी घोषित करना न्यायपूर्ण लोकतंत्र की भावना के विपरीत है।अयान भटनागर ने सीजेपी को खुली बहस की चुनौती दी है। यह पहल अपने आप में महत्वपूर्ण हो सकती है, बशर्ते बहस का उद्देश्य केवल एक-दूसरे को नीचा दिखाना न होकर जनता के सामने तथ्यों को स्पष्ट करना हो। लोकतंत्र में सार्वजनिक संवाद की संस्कृति कमजोर पड़ने का एक बड़ा कारण यह है कि राजनीतिक और वैचारिक समूह अक्सर विरोधी विचारों को सुनने के बजाय उन्हें पूरी तरह खारिज करने लगते हैं।यदि सीजेपी और %लाल हिट जनता पार्टी’ के प्रतिनिधि किसी सार्वजनिक मंच पर आमने-सामने बैठकर अपने विचार रखते हैं, तो जनता को दोनों पक्षों के तर्कों समझने का अवसर मिल सकता है। ऐसी बहस में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विरोध के कारण, प्रदर्शन

की वैधता, निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े सवाल, राजनीतिक दलों की भूमिका और सार्वजनिक व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव जैसे विषय शामिल किए जा सकते हैं।हालांकि, बहस केवल चुनौती देने से सफल नहीं होती। इसके लिए तथ्यात्मक तैयारी, संयमित भाषा और विरोधी पक्ष को सुनने की इच्छाशक्ति भी आवश्यक है। यदि दोनों समूह पहले से तय निष्कर्षों के साथ मंच पर आते हैं और केवल आरोप-प्रत्यारोप करते हैं, तो उससे राजनीतिक तनाव बढ़ सकता है। इसके विपरीत, प्रमाणों और तर्कों पर आधारित संवाद लोकतंत्र को मजबूत कर सकता है।अयान भटनागर ने यह भी दावा किया है कि प्रदर्शनों के कारण कारोबारियों का धंथा प्रभावित हो रहा है। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ कथित बदसलूकी का मुद्दा भी उठाया। इन शिकायतों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है, लेकिन व्यापक सिद्धांत स्पष्ट है कि किसी भी आंदोलन के दौरान आम नागरिकों के अधिकारों और सार्वजनिक सुविधाओं का ध्यान रखा जाना चाहिए।बाजारों में काम करने वाले व्यापारी, दैनिक मजदूरी करने वाले श्रमिक, कार्यालय जाने वाले कर्मचारी, मरीज और विद्यार्थी किसी भी राजनीतिक विवाद के प्रत्यक्ष पक्षकार नहीं होते। यदि विरोध प्रदर्शनों के कारण यातायात बाधित होता है, दुकानों का कारोबार प्रभावित होता है या लोगों को आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाई होती है, तो इसका समाधान निकालना जरूरी है।इसका अर्थ यह नहीं कि कारोबार या यातायात में असुविधा का हवाला देकर हर प्रदर्शन पर रोक लगा दी जाए। शांतिपूर्ण विरोध लोकतंत्र का आवश्यक हिस्सा है। आवश्यकता इस बात की है कि प्रशासन प्रदर्शन के लिए उचित स्थान, समय और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करे तथा आयोजक कानून के दायरे में रहकर अपनी बात रखें। पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार या हिंसा की कोई घटना होती है, तो उसकी निष्पक्ष जांच और कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। इसी प्रकार, शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के अधिकारों की रक्षा करना भी प्रशासन की जिम्मेदारी है।अयान भटनागर का यह कहना कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक फोन कर दें तो बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर आ सकते हैं, राजनीतिक लामबंदी की संभावनाओं की ओर संकेत करता

है। लेकिन किसी नेता के आह्वान पर भीड़ जुट जाना और किसी विचार को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त होना दो अलग-अलग बातें हैं।भीड़ की संख्या किसी संगठन की वास्तविक सामाजिक स्वीकृति का एकमात्र प्रमाण नहीं हो सकती। जनसमर्थन का मूल्यांकन इस बात से भी होना चाहिए कि संगठन कितने समय तक सक्रिय रहता है, समाज के वास्तविक मुद्दों पर क्या योगदान देता है और अपने विचारों को कितनी स्पष्टता से प्रस्तुत करता है। किसी भी राजनीतिक या सामाजिक संगठन की विश्वसनीयता उसके काम, व्यवहार और जवाबदेही से बनती है। यदि %लाल हिट जनता पार्टी’ वास्तव में सीजेपी की गतिविधियों का वैचारिक प्रतिरोध करना चाहती है, तो उसे अपने उद्देश्यों और कार्ययोजना को स्पष्ट करना होगा। केवल किसी विरोधी संगठन के खिलाफ खड़ा होना स्थायी राजनीतिक पहचान बनाने के लिए पर्याप्त नहीं है। जनता यह भी जानना चाहेगी कि संगठन लोकतांत्रिक संस्थाओं, नागरिक अधिकारों, चुनावी पारदर्शिता और सार्वजनिक व्यवस्था जैसे सवालों पर क्या सोचता है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में विचारों का टकराव स्वाभाविक है। यहां सत्ता पक्ष और विपक्ष, सरकार समर्थक और सरकार विरोधी, तथा अलग-अलग सामाजिक समूहों को अपनी बात रखने का अधिकार है। लेकिन इस अधिकार के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। किसी आंदोलन को केवल उसके विरोधियों की नाराजगी के आधार पर गलत नहीं कहा जा सकता और किसी विरोधी संगठन को केवल उसके नाम या राजनीतिक झुकाव के आधार पर खारिज करना भी उचित नहीं है। %लाल हिट जनता पार्टी का उदय फिलहाल सीजेपी के विरोध में एक नई संगठनात्मक पहल के रूप में सामने आया है। यह पहल आगे किस दिशा में जाएगी, इसका आकलन उसके भविष्य के कार्यों और सार्वजनिक व्यवहार के आधार पर ही किया जा सकता है। अभी सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि कौन-सा संगठन किसे चुनौती देता है, बल्कि यह है कि इस राजनीतिक टकराव से लोकतांत्रिक विमर्श को क्या हासिल होगा। यदि दोनों पक्ष तथ्य, तर्क और शांतिपूर्ण संवाद का रास्ता अपनाते हैं, तो जनता को लाभ हो सकता है। लेकिन यदि यह मुकाबला केवल आरोपों, उत्तेजक नारों और भीड़ जुटाने की प्रतिस्पर्धा तक सीमित रहा, तो लोकतंत्र के वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाएंगे। लोकतंत्र में किसी विचार का जवाब दूसरा विचार है, किसी आरोप का जवाब प्रमाण है और किसी विवाद का बेहतर समाधान संवाद है। सीजेपी हो या ‘लाल हिट जनता पार्टी’, दोनों के लिए असली चुनौती एक-दूसरे को हराना नहीं, बल्कि जनता के सामने अपनी विश्वसनीयता साबित करना है। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब विरोध का अधिकार सुरक्षित रहे, विरोध का विरोध करने की स्वतंत्रता भी बनी रहे और दोनों के बीच कानून, मर्यादा तथा जनहित की सीमाओं का सम्मान किया जाए।

कोटद्वार में तीन रावण के पुतलों का दहन



: कोटद्वार के ग्रास्टनगंज में रावण दहन के दौरान धू-धू कर जलता रावण का पुतला।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक विजयादशमी पर्व कोटद्वार और आसपास के क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ग्रास्टनगंज स्थित दशहरा मैदान में तीन अलग-अलग रावण के पुतलों का दहन किया गया। इस दौरान हजारों की संख्या में लोग दशहरा मेले में

नयारघाटी के बिलखेत में कमर्शियल टेंडम पैराग्लाइडिंग शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : नयारघाटी के बिलखेत में पर्यटकों के लिए कमर्शियल टेंडम पैराग्लाइडिंग शुरू हो गई। पैराग्लाइडिंग का टेकऑफ़ कल्जीखाल ब्लॉक के ढाढ़ूखाल से किया जा रहा है, जबकि लैंडिंग बिलखेत में राजकीय इंटर कॉलेज के पास मैदान में हो रही है। एडवेंचर बकेट कंपनी के पायलट मयंक बिष्ट और तारा सिंह डंगवाल ने स्थानीय युवाओं के साथ सात उड़ानें भरीं। इससे क्षेत्र में साहसिक पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद जगी है। कमर्शियल टेंडम पैराग्लाइडिंग शुरू होने पर एडवेंचर बकेट कंपनी के संचालक विक्रम नेगी ने बताया कि पर्यटन विभाग से अनुमति मिलने के बाद यह सुविधा शुरू की गई है। इच्छुक पर्यटक फोन पर संपर्क कर अपनी बुकिंग करा सकते हैं। इससे उन्हें निर्धारित समय पर उड़ान का अवसर मिल सकेगा। पैराग्लाइडिंग स्पोर्ट्स विंग पायलट हिमांशु गुप्ता ने कहा कि नयार घाटी पैराग्लाइडिंग के लिए उपयुक्त स्थानों में शामिल है। यहां इस गतिविधि को बढ़ावा देकर घाटी को देश के पर्यटन मानचित्र पर पहचान दिलाई जा सकती है। वहीं, उत्तराखंड पर्यटन

संक्षिप्त समाचार

भालू ने गाय को मार डाला

पोखरी (चमोली)। कांडू चंद्रशिला गांव में भालू ने दो गोशालाओं को क्षतिग्रस्त कर एक गाय को मार डाला जबकि बैल को घायल कर दिया। क्षेत्र में भालू की बढ़ती सन्न्रिता से ग्रामीणों में दहशत है। ग्राम प्रधान भगत भंडारी ने बताया कि सोमवार रात भालू ने संजय किमोटी की गोशाला को तोड़कर वहां बंधी दुधारू गाय को मार डाला। इसके बाद कलावती की गोशाला में घुसकर बैल को घायल कर दिया। आए दिन भालू के आवादी क्षेत्र में पहुंचने और गोशालाओं में घुसकर मवेशियों पर हमला करने से ग्रामीणों में भय बना हुआ है। पूर्व प्रधान नवीन राणा सहित अन्य ग्रामीणों ने वन विभाग से भालू से निजात दिलाने और सुरक्षा के उचित इंतजाम करने की मांग की।

जनक सिंह की खाई में गिरने से मौत

उत्तरकाशी। नौगांव के तुनालका गांव के 54 वर्षीय जनक सिंह सजवाण की गांव के समीप स्थित नाला तोक के जंगल की गहरी खाई में गिरने से मौत हो गई है। जनक सिंह पर किसी जंगली जानवर के हमले की आशंका भी जताई जा रही है।

बताया जा रहा है कि वह बैलों को चराने जंगल गया था। जिस स्थान पर घटना हुई है, वह ग्रामीणों का आम रास्ता है और करीब छह फीट चौड़ा है। घटना के बाद बैलों का पता करीब छह घंटे बाद चल पाया, जो घटना स्थल से दूर भाग गए थे। इसी कारण किसी जंगली जानवर के हमले की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बैल भी अपने बचाव के लिए जंगल की तरफ भागे होंगे। जनक सिंह यमुनोत्री हाईवे पर मृत पाए गए, जो करीब चार सौ मीटर लुढ़क कर नीचे गिरे थे। ग्राम प्रधान महावीर सजवाण ने बताया कि जिस तरह से यह घटना घटी है, उससे किसी जंगली जानवर के हमले की आशंका जताई जा रही है। उन्होंने पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे की मांग की है।

विजयदशमी पर मंदिरों में की पूजा—अर्चना

आदिबदरी/गौचर। विजयदशमी पर श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पूजा अर्चना की और मां दुर्गा को फल फूलों व विभिन्न पकवानों का भोग लगाया। आदिबदरी स्थित काली मंदिर, चांदपुर गढ़ी स्थित दक्षिण काली मंदिर व राजराजेश्वरी मंदिर में भी श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे। वहीं गौचर तलधारी स्थित रघुनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर और खुशहाली की कामना की। सभासद विनीत रावत और अन्य श्रद्धालुओं के सौजन्य से आयोजित अनुष्ठान में भक्तों ने मंदिर परिसर और अलकनंदा घाट पर वृहद स्वच्छता अभियान चलाया। कार्यक्रम में पहुंचे कर्णप्रयाग के एसडीएम अलकेश नौडियाल से सभासद विनीत रावत ने गंगा घाटों को सुंदर व स्वच्छ स्थल के रूप में विकसित करने की मांग की।

डामरीकरण नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी

नन्दासैंण। बैनेली-शैलेश्वर मार्ग से ऐरोली गांव को जोड़ने वाली करीब तीन किलोमीटर सड़क बद्दहाल स्थिति में है। वर्ष 2016 में बनी इस सड़क का आज तक डामरीकरण नहीं हो सका है। पीएमजीएसवाई के अंतर्गत आने वाली इस सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बने हैं जिससे वाहनों की आवाजाही में परेशानी हो रही है। बरसात के दौरान सड़क पर सफर करना और भी जोखिम भरा हो जाता है। पूर्व ग्राम प्रधान गजेंद्र रावत ने बताया कि सड़क के डामरीकरण की मांग के लिए विभाग को कई बार अवगत कराया जा चुका है।



कोटद्वार के ग्रास्टनगंज में रावण दहन के दौरान उमड़ी भीड़।

पहुंचे। रावण दहन के साथ ही पूरा मैदान

जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। मंगलवार सुबह से ही ग्रास्टनगंज में दशहरा मेले की तैयारियां शुरू हो गई थीं। दुकानदारों ने दुकानें और फड़ सजाए, जबकि दोपहर बाद मेले में लोगों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। शाम होते-होते दशहरा मैदान में लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्री रामलीला

प्रेम प्रजापति बनें कार्यकारिणी के सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष नेत्रपाल मोर्य ने कोटद्वार से प्रेम प्रजापति को प्रदेश कार्यकारिणी में बतौर सदस्य नियुक्त किया है।

नवनि्युक्त कार्यकारिणी सदस्य प्रेम प्रजापति ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सांगठनिक मजबूती व राजनीतिक रणनीतियों को ध्यान में रखते हुए लगातार बड़े कदम उठा रही है। कहा कि ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नेत्रपाल मोर्य के नेतृत्व में गठित होने वाली यह नई टीम राज्य के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदायों को पार्टी के साथ और अधिक मजबूती से जोड़ने, उनकी आकांक्षाओं को मुखर करने तथा केंद्र और राज्य सरकार की जनहितैषी योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगी। भाजपा का यह रणनीतिक विस्तार न केवल पार्टी के सांगठनिक आधार को और अधिक धार देगा, बल्कि सामाजिक समीकरणों को साधते हुए हर वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित करने की दिशा में भी एक बड़ा और प्रभावी कदम साबित होगा।

योजना हुई हवा, सड़क पर अवैध पार्किंग



कोटद्वार में मुख्य डाकघर में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बेतरतीब तरीके से खड़े वाहन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार की सड़कों पर वाहनों का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। हर वर्ष पांच हजार से अधिक नए दोपहिया और चौपहिया वाहन शहर की सड़कों पर उतर रहे हैं। लेकिन, पार्किंग की बात करें तो आज

भी बाजार में वाहनों के लिए कहीं पार्किंग व्यवस्था नहीं है। नतीजा, सड़क किनारे बेतरतीब खड़े वाहन यातायात व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं। विडंबना यह है कि पार्किंग स्थल चिह्नित करने के लिए करीब तीन माह पूर्व विभिन्न विभागों की टीम गठित

20 फुट ऊंचे रावण के पुतले ने खींचा ध्यान, कारीगरों ने पेश की भाईचारे की मिसाल



जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडोन : पर्यटन नगरी लैंसडौन में इस बार दशहरे का आकर्षण का केंद्र 20 फुट ऊंचा रावण का पुतला बना रहा। छावनी क्षेत्र में स्थापित यह विशाल पुतला न केवल श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए कोतूहल का विषय बना है,

27,000 रुपये की लागत आई है। धर्म और समुदाय की सीमाओं से परे जाकर एक-दूसरे के त्योहारों में भागीदारी करना भारतीय संस्कृति की पहचान रही है। बिजनौर से आए मुस्लिम कारीगरों द्वारा रावण के पुतले का निर्माण इसी परंपरा और सामाजिक भाईचारे

त्योहारों को लेकर पुलिस पूरी तरह मुस्तैद

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : आगामी त्योहारों और शाम को प्रस्तावित पुतला दहन कार्यक्रम के मद्देनजर कोतवाली पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। कोतवाल जयपाल सिंह नेगी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मंगलवार को जिला मुख्यालय के मुख्य बाजार में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

पैदल गश्त के दौरान पुलिस ने बाजार के विभिन्न मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। साथ ही यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने पर जोर दिया, ताकि बाजार में जाम की स्थिति न बने और राहगीरों व स्थानीय

व्यापारियों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। वहीं, पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान भीड़ और वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए बैरियर लगाने सहित अन्य व्यवस्थाएं की गईं। कोतवाल जयपाल सिंह नेगी ने बताया कि त्योहारों के दौरान शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने और आमजन की सुरक्षा के लिए पुलिस सतर्क है।

बाजार में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के साथ ही सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

दशहरा मेले में उमड़ा जन सैलाब

दिलीप सिंह रावत मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। रावण दहन देखने के लिए मैदान में हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। पुतलों के दहन के साथ ही लोगों ने बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया।

भीड़ नियंत्रित करने में पुलिस को करनी पड़ी मशक्कत

दशहरा मैदान में उमड़ी भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। लोगों की भीड़ लगातार मैदान की ओर बढ़ रही थी। इसे देखते हुए पुलिस ने दोपहर से ही ग्रास्टनगंज की ओर जाने वाले मार्गों पर मोर्चा संभाल लिया था। पुलिसकर्मियों ने दुपहिया और

चौपहिया वाहनों को मैदान की ओर जाने से रोका, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे। साथ ही लोगों से रावण के पुतलों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की गई। भीड़ को देखते हुए पुलिसकर्मों देर शाम तक व्यवस्था संभालने में जुटे रहे।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बरसात में क्षतिग्रस्त हुए नेशनल हाईवे की मरम्मत का काम शुरू हो गया है। एनएच प्रशासन ने कौड़िया चेक पोस्ट से सिद्धबली मंदिर तक शहर के भीतर करीब तीन किलोमीटर हिस्से में पैचवर्क कराया। सड़क के गड्ढे भरने से वाहन चालकों और राहगीरों को राहत मिली, लेकिन दिन के समय मरम्मत कार्य होने से हाईवे पर कई जगह जाम लग गया। इससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा।

बरसात के दौरान हाईवे का डामर उखड़ने से कौड़िया चेकपोस्ट, पनियाली पुल, गबर सिंह कैप तिरहा, दीपक नर्सिंग होम, लालबत्ती चौराहा, झंडाचौक, मालवीय उद्यान, तहसील और बेस अस्पताल के आसपास सड़क पर गहरे गड्ढे बन गए थे। इससे यातायात प्रभावित होने के साथ दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया था। स्थानीय लोग लंबे समय से सड़क की मरम्मत की मांग उठा रहे थे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभागीय अधिकारियों को बरसात से क्षतिग्रस्त सड़कों की 15 अक्टूबर तक गड्ढामुक्त करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद

पूर्व में आश्वासन के बाद भी शहर को नहीं मिली पार्किंग व्यवस्था

की गई थी, जिसे एक सप्ताह में स्थल चयन करने का जिम्मा दिया गया था, लेकिन टीम की कवायद अब तक धरातल पर नहीं उतर पाई। शहर में शायद ही कोई ऐसा मुख्य मार्ग या राष्ट्रीय राजमार्ग हो जहां आपको सड़क किनारे बेतरतीब खड़े वाहन न दिखाई दें। पार्किंग के अभाव में सड़क किनारे खड़े यह वाहन जहां जाम का कारण बन रहे हैं। वहीं, राह चलते लोगों की भी दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

सबसे बुरी स्थिति अस्पताल, बैंक, डाकघर व अन्य बड़े संस्थान के बाहर बनी रहती है। सरकारी सिस्टम सड़क किनारे नो पार्किंग के अभाव में सड़क किनारे खड़े यह वाहन जहां जाम का कारण बन रहे हैं। लेकिन, आज तक इन वाहनों के लिए कहीं भी पार्किंग व्यवस्था नहीं बनाई

कई बार हो चुके हैं प्रयास

शहर में पार्किंग स्थल चिह्नित करने के लिए पूर्व में भी कई बार प्रयास हो चुके हैं। कुछ वर्ष पूर्व झंडाचौक के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग के बीच स्थान को पार्किंग के रूप में तब्दील कर दिया गया था। लेकिन, इसके बाद हाईवे पर जाम की स्थिति बननी शुरू हो गई थी।

नतीजा, चंद माह में ही यह व्यवस्था भी खत्म हो गई। वहीं, करीब चार वर्ष पूर्व नगर निगम ने हाईवे के किनारे स्थलों को पार्किंग स्थल के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया। इसके लिए प्रेक्षागृह के निचले हिस्से को भी पार्किंग स्थल बनाने की योजना

गई है। करीब तीन माह पूर्व स्थानीय लोगों ने महापौर शैलेंद्र सिंह रावत को समस्या से अवगत करवाया था, जिसके बाद नगर निगम, राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग, यातायात पुलिस व प्रशासन की विशेष टीम गठित की

हनुमान ने जलाई सोने की लंका

कोटद्वार : दुगड्डा में आयोजित रामलीला के मंचन में हनुमान ने रावण की सोने की लंका जलाई। कलाकारों ने शानदार अभिनय से दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

रामलीला मंचन का शुभारंभ दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व संगठन मंत्री एवं उधमी विश्व मोहन बडोला और जिला पंचायत सदस्य संजीव चौहान ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत मां नवदुर्गा की आकर्षक झांकी के साथ हुई। इसके बाद रॉरेंद्र शहनई ने भजनों की प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। रामलीला के दौरान अशोक वाटिका में रावण और माता सीता के बीच संवाद का

लावारिस कुत्तों ने तीन को काटा, खौफ में लोग

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : शहर में लावारिस कुत्तों की बढ़ती समस्या से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार को लावारिस कुत्तों ने तीन लोगों को काटकर घायल कर दिया। जिससे लोगों में भय बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने पालिका से लावारिस कुत्तों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है।

स्थानीय निवासी संजय सिंह ने बताया कि शहर में लावारिस कुत्तों के झुंड शहर के विभिन्न क्षेत्रों में घूम रहे हैं। पालिका के मुख्य मार्ग, बस स्टेशन से लेकर मॉलरोड, एजेंसी चौक, कंडोलिया आदि चौराहों पर लावारिस कुत्तों के झुंड जमा हो रहे हैं। जिससे स्कूली बच्चों और महिलाओं को सबसे अधिक

ट्रॉली से श्रमिक पर गिरा सामान, मौत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के पदमपुर में भवन निर्माण के दौरान ट्रॉली से अचानक सामान बिहार निवासी श्रमिक के ऊपर गिर गया, जिससे श्रमिक की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

पदमपुर क्षेत्र में भवन निर्माण का कार्य चल रहा था। ठेकेदार की ओर से श्रमिकों को लगाया गया था। भवन के ऊपरी हिस्से में ट्रॉली से सीमेंट-रेत-कंक्रीट पहुंचाया जा रहा था। पुलिस के अनुसार सोमवार शाम काम के दौरान अचानक टायर आदि सामान एक श्रमिक के ऊपर आ गिरा जिससे वह गंभीर रूख से घायल हो गया। घायल की बेस अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान बिहार के खगरी, बड़ा उतरी निवासी इंदल महतो। (30) पुत्र कपिल देव महतो के रूप में हुई। अस्पताल से सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस की ओर से बताया गया कि इंदल काम के लिए बिहार से उत्तराखंड आया था। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।



कोटद्वार की सड़कों के गड्ढों की मरम्मत करते श्रमिक

एनएच खंड लोनिवि धुमाकोट की ओर से हाईवे

पर मरम्मत कार्य कराया जा रहा है।

बनाई गई। बाकायदा उक्त स्थानों पर पार्किंग शुल्क भी चसपा किया गया। लेकिन, यह योजना भी रंग नहीं ला पाई।

यह हो रही समस्या

सामान्य दिनों में तो फिर भी शहरवासी जाम की चुनौती को झेल लेते हैं। लेकिन, शदी या त्योहार सीजन में स्थिति विकराल हो जाती है। बेतरतीब तरीके से खड़े वाहनों के कारण लोगों का सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। साथ ही हर समय दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। सबसे बुरी स्थित कोड़िया से झंडाचौक, झंडाचौक से बुद्धा पार्क, देवी रोड, स्टेशन रोड, मानपुर रोड में बनी हुई है।

गई। टीम ने दो दिन तक शहर के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण कर एक सप्ताह में पकिंग स्थल चिह्नित करने की बात कही। लेकिन, कई माह बीत जाने के बाद भी हालात जस के तस बने हुए हैं।

मंचन किया गया। इसके बाद हनुमान ने लंका के विभिन्न हिस्सों में आग लगा दी।

इसके बाद हनुमान ने लंका के विभिन्न हिस्सों में आग लगाकर सोने की लंका को जला दिया। लंका दहन के दृश्य ने दर्शकों में विशेष उत्साह पैदा किया। इस मौके पर प्रदीप बडोला, तरुण जोशी, बबली बिष्ट, नितेश ठाकुर, वीरेंद्र शाह और राहुल जैन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।



दिवक्तेतें हो रही हैं। उन्होंने पालिका से लावारिस कुत्तों के झुंड से निजात दिलाने की मांग उठाई है।

मोहनखाल—ताली सड़क पर बिछाया डामर तीन दिन में ही उखड़ा



गोपेश्वर। मोहनखाल—ताली सड़क पर चल रहे पैचवर्क की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क पर बिछाया गया डामर तीन दिन में ही उखड़ने लगा है। पीएमजीएसवाई पोखरी की ओर से सड़क के सात किलोमीटर हिस्से में पैचवर्क किया जा रहा है।

थाला गांव निवासी देवी प्रसाद थपलियाल और मुकेश थपलियाल ने बताया कि ब्राह्मण थाला के बुझकट्टा टोक में तीन दिन पूर्व बिछाया गया डामर उखड़ने लगा है। आरोप लगाया कि डामर बिछाने के बाद रोलर नहीं चलाया जा रहा है और डामर डालने के तुरंत बाद उस पर रेत डालकर काम पूरा किया जा

मंत्री रेखा आर्य पर 210 करोड़ के भ्रष्टाचार के आरोप



अल्मोड़ा । सोमेश्वर में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य पर 210 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर कांग्रेस ने आत्रेश रैली निकाली और उनके घर का घेराव किया। कार्यकर्ताओं ने मंत्री के खिलाफ

नारेबाजी कर मामले की जांच और जवाबदेही तय करने की मांग की। अल्मोड़ा में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य पर लगे 210 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर कांग्रेस ने सोमेश्वर विधानसभा क्षेत्र में आत्रेश रैली निकाली। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंत्री के खिलाफ नारेबाजी कर अपना विरोध जताया।

रैली के बाद कार्यकर्ताओं ने रेखा आर्य के घर का घेराव किया और मामले में कार्रवाई की मांग उठाई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोपों को गंभीर बताते हुए इस मामले में जवाबदेही तय करने की मांग की।

एक नजर

गोलज्यू मंदिर और नीलकंठ धाम में बनेगे सामुदायिक भवन

रुद्रपुर। शहर में धार्मिक और सामाजिक आयोजनों को सुविधा देने के लिए नगर निगम दो नए सामुदायिक भवनों का निर्माण कराने जा रहा है। गंगपुर रोड स्थित प्रसिद्ध गोलज्यू मंदिर और नीलकंठ धाम के पास ये भवन बनेंगे। इसके लिए निगम ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है।

गोलज्यू मंदिर परिसर के पास बनने वाले सामुदायिक भवन के लिए 20.80 लाख रुपये की लागत तय की गई है जबकि नीलकंठ धाम के पास प्रस्तावित भवन पर 23.42 लाख रुपये खर्च होंगे। निगम अधिकारियों का कहना है कि इन क्षेत्रों में धार्मिक आयोजन, भंडारे, कीर्तन और अन्य सामाजिक कार्यक्रम अक्सर होते रहते हैं लेकिन स्थायी भवन नहीं होने से लोगों को टेंट और अस्थायी व्यवस्थाओं पर निर्भर रहना पड़ता था। सामुदायिक भवन बनने से स्थानीय लोगों को एक सुविधाजनक और स्थायी स्थान मिल सकेगा। गोलज्यू मंदिर में हर शनिवार बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं और न्याय के देवता के दरबार में अर्जी लगाते हैं। नीलकंठ धाम भी शहर का प्रमुख धार्मिक स्थल है। ऐसे में यहां भवन बनने से श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों दोनों को लाभ होगा।

उप जिला अस्पताल में नेत्र रोग विशेषज्ञ ने दी तैनाती

कर्णप्रयाग। नेत्र रोगियों के लिए रहत भरी खबर है। उप जिला अस्पताल में नियुक्त किए गए नेत्र रोग विशेषज्ञ ने ज्वाइन कर लिया है। मगर अस्पताल में अब भी नेत्र रोग से संबंधित जांचों के लिए संसाधनों का अभाव बना है। ऐसे में यहां नेत्र रोग विशेषज्ञ सप्ताह में एक दिन ही ओपीडी करेंगे।

कर्णप्रयाग अस्पताल पर नारायणवगड़, थराली, देवाल, गैरसैण, पोखरी, नंदानगर ब्लाक सहित आस पास के गांवों का आबादी उपचार के लिए निर्भर हैं। अस्पताल में ओपीडी भी औसतन 350 से 400 हो रही है लेकिन अब तक यहां नेत्र रोग विशेषज्ञ नहीं था। ऐसे में आंखों के उपचार के लिए लोगों को श्रीनगर या देहरादून जाना पड़ता था। अब यहां नेत्र रोग विशेषज्ञ की तैनाती होने से लोगों को राहत मिलेगी। सीएमएस डॉ. बीपी पुरोहित ने बताया कि नेत्र रोग विशेषज्ञ ने तैनाती दे दी है। कर्णप्रयाग अस्पताल की ओपीडी में अभी कुछ संसाधन चाहिए। ऐसे में सप्ताह में एक दिन ही ओपीडी चलेंगी। सप्ताह के अन्य दिनों में जिला अस्पताल में विशेषज्ञ ओपीडी करेंगे।

30 अक्टूबर तक छात्रवृत्ति के लिए कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

काशीपुर। मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति पाने वाले को ऑनलाइन आवेदन करने के लिए दस दिन शेष बचे हैं। मेधावी छात्र-छात्राएं अंतिम तिथि 30 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं।

राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना सत्र 2026–27 के तहत ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया चल रही है। कॉलेज के छात्रवृत्ति नोडल डॉ. भानू प्रताप सिंह गौतम ने बताया कि इंटरमीडिएट में 80 फीसदी अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विज्ञान, कला एवं वाणिज्य संकाय के प्रथम सेमेस्टर के पात्र मेधावी छात्र-छात्राएं अपना ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। तृतीय एवं अन्य उच्च सेमेस्टर्स के छात्र-छात्राएं जिन्होंने अपने अंथवा उससे सेमेस्टर में 60 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं वे भी आवेदन करने के पात्र हैं। उन्होंने पात्रता रखने वाले सभी विद्यार्थी अपना आवेदन मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति पोर्टलhttp://२२.२१ई.एल पर 30 अक्टूबर की शाम चार बजे तक ऑनलाइन कर सकते हैं। आवेदन पत्रों की हार्ड कॉपी जमा करने के लिए समिति सदस्य डॉ. तिलकराम प्रजापति, डॉ. मंजुल गोंडवाल, डॉ. चंद्रकला सिंह से संपर्क कर सकते हैं।

दोपहिया वाहन फिसला, दो प्रवक्ता गंभीर घायल

गैरसैण के मुख्य चौराहे पर दोपहिया वाहन फिसलने से राजीव गांधी नवोदय विद्यालय के दो प्रवक्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

सीएचसी के अधीक्षक डॉ. अर्जुन रावत ने बताया कि गंभीर रूप से घायल सुरज सिंह बिष्ट (35) के आंख के ऊपर गंभीर चोट आई थी। उन्हें टांके लगाए गए साथ ही उनकी नाक से लगातार खून बह रहा था। इस कारण उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया। वहीं दूसरे घायल जयवीर नेगी (35) के घुटने नाक और हाथ की उंगलियों पर चोट आई थी। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुटी दे दी गई।

मांदरा गांव पर दो तरफा भूस्खलन का खतरा

घनसाली(टिहरी)। भिलंगना ब्लॉक के मांदरा गांव पर भूस्खलन का खतरा मंडरा रहा है। गांव के नीचे वर्ष 2013 से भू-धंसाव की समस्या बनी हुई है लेकिन अभी तक ट्रीटमेंट कार्य शुरू नहीं होने के कारण ग्रामीणों में रोष है। दो साल पहले गांव के ऊपर लोनिवि की दीवार टूटने के बाद खतरा और बढ़ गया है। ग्रामीणों ने गांव के दोनों तरफ ट्रीटमेंट कार्य जल्द शुरू कराने की मांग की है।

चटख धूप खिली, चमक रही हिमालय की बर्फीली चोटियां

ऋषिकेश। पहाड़ों की रानी मसूरी में चटख धूप खिलने से मौसम खुशनुमा हो गया है। साफ आसमान के साथ दूर-दूर तक फैली हिमालय की बर्फ से ढकी चोटियां चमकीली नजर आ रही हैं। अक्टूबर-नवंबर का महीना पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता निहारने के लिए खास माना जाता है।

शहर के विभिन्न पर्यटक स्थलों से हिमालय की विहंगम चोटियों का मनमोहक दृश्य देखने को मिल रहा है। साफ मौसम में बर्फ से ढकी पर्वत शृंखलाएं दूर से ही चमकीली दिखाई देती हैं। पर्यटक दुर्खीन के साथ इन प्राकृतिक नजारों को देख रहे हैं और अपने कैमरों में कैद कर रहे हैं। पहाड़ों की ठंडी हवा और गुनगुनी धूप का अनूठा संगम पर्यटकों के लिए खास अनुभव बन रहा है। सुबह और शाम के समय ठंड का एहसास होने के बावजूद दिन में खिलने वाली धूप लोगों को राहत देती है।

स्थानीय होटल प्रबंधक कुशाल सिंह और अरविंद सेमवाल ने बताया कि अक्टूबर-नवंबर में पहाड़ों पर गुनगुनी धूप खिलने से ठंड से राहत मिलती है। उन्होंने कहा कि मौसम साफ होने पर

मर्चूला मे कांग्रेस ने दुष्यंत गौतम का पुतला फूँका

मौलेखाल(अल्मोड़ा)। अंकिता भंडारी हत्याकांड की निपक्ष जांच और कथित वीआईपी के नाम का खुलासा करने की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मर्चूला बाजार में दुष्यंत गौतम का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर मामले में पारदर्शिता बरतने की मांग उठाई।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि अंकिता भंडारे हत्याकांड में कथित वीआईपी की भूमिका को लेकर अब तक स्थिति स्पष्ट नहीं हुई है। उन्होंने दुष्यंत गौतम को सिक्किम का राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर भी सवाल उठाए। कार्यकर्ताओं ने मांग की कि मामले की निपक्ष जांच कर सभी तथ्यों को सार्वजनिक किया जाए और दोषियों के

ऋषिकेश। त्योहारी सीजन में बाजारों के दौरान दुकानों के बाहर सामान रखे जाने के कारण खरीददारों को परेशानी हो रही है। बाजारों और गलियों में अतिव्रमण के कारण जाम की स्थिति है। धनतरेस, दीपावली और भैयादूज जैसे प्रमुख पर्वों के नजदीक आते ही बाजारों में खरीदारी के लिए भीड़ उमड़ रही है। सड़क तक पर्सरे सामान के कारण लोगों को आवागमन करने में परेशानी हो रही है।

मुख्य मार्गों और तंग गलियों में पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है। स्थिति यह है कि दुकानों के बाहर दोनों तरफ डिस्पले और सजावटी सामान रखे जाने से सड़कों की वास्तविक चौड़ाई सिकुड़कर 8 फीट की रह गई है जिसका सीधा असर शहर की यातायात व्यवस्था पर पड़ रहा है। बाजारों में दोपहिया और चौपहिया वाहनों की कतारें लग रही है जिससे हर समय जाम की स्थिति

दोपहिया वाहन फिसला, दो प्रवक्ता गंभीर घायल

गैरसैण। रात करीब साढ़े सात बजे गैरसैण के मुख्य चौराहे पर दोपहिया वाहन फिसलने से राजीव गांधी नवोदय विद्यालय के दो प्रवक्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

सीएचसी के अधीक्षक डॉ. अर्जुन रावत ने बताया कि गंभीर रूप से घायल सुरज सिंह बिष्ट (35) के आंख के ऊपर गंभीर चोट आई थी। उन्हें टांके लगाए गए साथ ही उनकी नाक से लगातार खून बह रहा था। इस कारण उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया। वहीं दूसरे घायल जयवीर नेगी (35) के घुटने नाक और हाथ की उंगलियों पर चोट आई थी। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुटी दे दी गई।

दुर्घटना के बाद व्यापारियों और लोगों ने सड़क पर चल रहे डमरीकरण के कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। वहीं नए अध्यक्ष मोहन भंडारी ने मानकों के तहत गुणवत्ता से कार्य किए जाने की मांग की है।

मांदरा गांव पर दो तरफा भूस्खलन का खतरा

घनसाली(टिहरी)। भिलंगना ब्लॉक के मांदरा गांव पर भूस्खलन का खतरा मंडरा रहा है। गांव के नीचे वर्ष 2013 से भू-धंसाव की समस्या बनी हुई है लेकिन अभी तक ट्रीटमेंट कार्य शुरू नहीं होने के कारण ग्रामीणों में रोष है। दो साल पहले गांव के ऊपर लोनिवि की दीवार टूटने के बाद खतरा और बढ़ गया है। ग्रामीणों ने गांव के दोनों तरफ ट्रीटमेंट कार्य जल्द शुरू कराने की मांग की है।

मांदरा गांव की प्रधान सुचिता देवी और पूर्व प्रधान मोहन लाल भट्ट ने बताया कि वर्ष 2013 की आपदा में गांव के नीचे भूधंसाव शुरू हो गया था। ग्रामीणों ने उसी समय जिला प्रशासन को खतरे से अवगत कराते हुए ट्रीटमेंट कार्य कराने की मांग की थी। मगर 13 वर्ष बाद भी शासन-प्रशासन ने कोई सुध नहीं ली है। इससे ग्रामीणों की खेती चौपट होने के साथ ही खतरा हर साल बढ़ता जा रहा है। प्रधान ने बताया कि भूधंसाव का खतरा झेल रहे गांव के ऊपर दो साल पहले लोनिवि की सड़क की दीवार ढहने के बाद भूस्खलन हो रहा है लेकिन विभाग दो साल से चुप्पी साधे है। इससे ग्रामीणों को दो

टिहरी झील में पैडल—चप्पू बोट संचालन की योजना अधर में लटकी



नई टिहरी। टिहरी झील में पैडल और चप्पू बोट चलाने की योजना दो साल बाद भी धरातल पर नहीं उतर पाई है। पर्यटन को बढ़ावा देने और बांध प्रभावित तिवाड़ गांव के लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए 16 पैडल-चप्पू बोट समेत कुल 20 बोट के संचालन की योजना बनाई गई थी। स्थानीय लोगों ने बोट खरीद ली और लाइसेंस शुल्क भी जमा कर दिया लेकिन

मांदरा गांव पर दो तरफा भूस्खलन का खतरा



तरफा खतरे का सामना करना पड़ रहा है। गांव के ऊपर सड़क की दीवार टूटने से ग्रामीणों की कई नाली जमीन भी आपदा की भेंट चढ़ गई थी। बारिश में सड़क का पानी खेतों को काटकर गांव में लोगों के घरों में घुस जाता है। प्रधान ने गांव के नीचे और ऊपर दोनों तरफ शीघ्र ही ट्रीटमेंट

कोटीगाड क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के अभाव और बोट यूनियन के विरोध के चलते संचालन शुरू नहीं हो सका।

मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत उत्तरायणी भागीरथी विकास समिति के माध्यम से तिवाड़ गांव के लोगों के लिए यह योजना शुरू की गई थी। समिति ने आठ पैडल बोट, आठ चप्पू बोट, दो क्वाक बोट और दो कैनेपी बोट के संचालन के लिए टिहरी झील विशेष क्षेत्र पर्यटन विकास प्राधिकरण (टाड) में 40 हजार रुपये लाइसेंस शुल्क जमा किया था। शुल्क जमा होने के बाद टाड ने कोटीगाड में बोट संचालन की अनुमति भी दे दी थी लेकिन बोट यूनियन के विरोध के बाद वहां संचालन शुरू नहीं हो

पाया। कोटीगाड में बोट संचालन के लिए जेटी, रास्ते और अन्य जरूरी सुविधाओं का भी विस्तार नहीं किया गया। उत्तरायणी भागीरथी विकास समिति के अध्यक्ष कुलदीप पंवार का कहना है कि पैडल और चप्पू बोट सेवा शुरू होने से स्थानीय लोगों की स्वरोजगार मिलता और झील में आने वाले पर्यटक भी इनका आनंद ले पाते।

नीलकंठ धाम के टीकाकरण उपकेंद्र का पीएचसी में उच्चीकरण अधर में



कार्य शुरू कराने की मांग की। वहीं लोनिवि घनसाली के ईई मनोज राठौर का कहना है कि मांदा गांव के ऊपर टूटी दीवार बनाने के लिए आपदा मद में जिला प्रशासन को प्रस्ताव भेजा गया है। स्वीकृति मिलते ही ट्रीटमेंट कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

नीलकंठ धाम के टीकाकरण उपकेंद्र का पीएचसी में उच्चीकरण अधर में

यमकेश्वर। नीलकंठ महादेव मंदिर क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार अधर में लटका है। यहां स्थित टीकाकरण उपकेंद्र की प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र टाइप-ए में उच्चीकृत करने का प्रस्ताव पिछले पांच माह से शासन स्तर पर लंबित है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से पूर्व ही पीएचसी के लिए प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया था। विभागीय टीम ने मौके पर पहुंचकर जमीन की उपलब्धता की जांच भी पूरी की। वर्तमान में उपकेंद्र में केवल टीकाकरण और प्राथमिक उपचार की सुविधा उपलब्ध है जिससे गंभीर स्थिति में मरीजों को ऋषिकेश या कोटद्वार रेफर करना पड़ता है। स्थानीय निवासी उर्मंड पयाल, दीपक स्थाल, आशीष गैथाण,सुमित गैथाण का कहना है कि यदि उपकेंद्र को पीएचसी में उच्चीकृत कर दिया जाता है तो यहां डॉक्टर, लैब, दवाइयां और 24 घंटे इमरजेंसी सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी जिससे यात्रियों और ग्रामीणों दोनों की बड़ी राहत मिलेगी।

आंगन में रखे भूसे की ढेर में लगी आग

नानकमत्ता। आंगन में रखे भूसे के ढेर में अज्ञात कारणों से आग लग गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने आग को काबू किया।

शाम बिडोरा मझोला निवासी प्रीराम सिंह के घर के पास रखे भूसे की ढेर में अचानक आग लग गई। आग विकराल रूप देखकर प्रीराम सिंह ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलने पर खटीमा फायर ब्रिगेड से मिनी वाटर फायर यूनित के साथ पहुंचे कमल सामंत, विक्रम भंडारी ने आग पर काबू पाकर धान की फसल और गोशाला में बंधी दो बैसों को सुरक्षित बचाया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

आंगन में रखे भूसे की ढेर में लगी आग

नानकमत्ता। आंगन में रखे भूसे के ढेर में अज्ञात कारणों से आग लग गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने आग को काबू किया। शाम बिडोरा मझोला निवासी प्रीराम सिंह के घर के पास रखे भूसे की ढेर में अचानक आग लग गई। आग विकराल रूप देखकर प्रीराम सिंह ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलने पर खटीमा फायर ब्रिगेड से मिनी वाटर फायर यूनित के साथ पहुंचे कमल सामंत, विक्रम भंडारी ने आग पर काबू पाकर धान की फसल और गोशाला में बंधी दो बैसों को सुरक्षित बचाया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

लंबे सप्ताहांत के चलते मसूरी में बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे। इससे शहर की यातायात व्यवस्था चरमरा गई और प्रमुख मार्गों पर दिनभर जाम लगा रहा। बुद्धा टेंपल मार्ग पर सुबह से शाम तक वाहनों की लंबी कतारें देखी गई। लोगों ने आरोप लगाया कि यातायात नियंत्रित करने के लिए पुलिसकर्मी तैनात नहीं थे।

कुंभ मेले के बाद शुरू होगा रायवाला में अंडरपास का निर्माण कार्य

रायवाला। हरिद्वार-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रस्तावित अंडरपास के निर्माण कार्य में कुंभ मेले तक रोक लग गई है। हालांकि फ्लाईओवर व अंडरपास से जुड़े अन्य कार्य जारी रहेंगे। कुंभ मेले के समापन के बाद ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। वहीं रायवाला और छिहरवाला में आपत्ति के बाद भी एनएचआई ने फ्लाईओवर के डिजाइन में कोई बदलाव नहीं किया है।

हरिद्वार-देहरादून राजमार्ग पर रायवाला बाजार में तीन-स्पान वाले वाहन अंडरपास का निर्माण प्रस्तावित है। कुंभ मेले को देखते हुए निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाएगा। एनएचएआई देहरादून के प्रशासनिक अधिकारी विराट चमोली ने बताया कि रायवाला बाजार में बनने वाले अंडरपास का निर्माण कार्य अगले वर्ष कुंभ मेला समाप्त होने के बाद शुरू कराया जाएगा। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने कुंभ मेले में आने वाले यात्रियों की सुविधा और यातायात प्रबंधन को देखते हुए यह फैसला लिया है। इससे

आंगन में रखे भूसे की ढेर में लगी आग

रायवाला। हरिद्वार-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रस्तावित अंडरपास के निर्माण कार्य में कुंभ मेले तक रोक लग गई है। हालांकि फ्लाईओवर व अंडरपास से जुड़े अन्य कार्य जारी रहेंगे। कुंभ मेले के समापन के बाद ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। वहीं रायवाला और छिहरवाला में आपत्ति के बाद भी एनएचआई ने फ्लाईओवर के डिजाइन में कोई बदलाव नहीं किया है। हालांकि ग्रामीणों के विरोध के बाद छिहरवाला में फिलहाल कार्य को रोक दिया गया है।

एमबीबीएस में दाखिला लेने वाले छात्र के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान अल्मोड़ा में फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर एमबीबीएस में प्रवेश लेने के मामले में कोतवाली पुलिस ने आरोपी छात्र के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। अनाथ एवं परित्यक्त बच्चों की श्रेणी से संबंधित प्रमाणपत्र फर्जी पाए जाने के बाद कॉलेज प्रशासन पहले ही छात्र का प्रवेश निरस्त कर चुका है।

जानकारी के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026 में एमबीबीएस की प्रवेश प्रक्रिया के दौरान बाजपुर निवासी मोहम्मद शमी ने दाखिले के लिए अनाथ एवं परित्यक्त बच्चों की श्रेणी से संबंधित प्रमाणपत्र लगाया था। प्रवेश प्रक्रिया के तहत प्रमाणपत्रों की जांच की गई तो उसका यह सर्टिफिकेट फर्जी पाया गया।

इसके बाद नियमानुसार संबंधित छात्र का प्रवेश निरस्त कर दिया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए कॉलेज प्रशासन ने इस संबंध में कोतवाली पुलिस को तहरीर सौंपी थी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने अब आरोपी छात्र के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

ऑस्ट्रेलियाई सांसद हेलेन हेन्स पर जानलेवा हमला: कार से कुचलने के बाद एक पैर काटना पड़ा

मेलबर्न,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की निर्दलीय सांसद हेलेन हेंस पर उनके चुनाव कार्यालय के बाहर जानलेवा हमला हुआ है। विक्टोरिया राज्य के वांगाराटा शहर में एक कार चालक ने जानबूझकर उन्हें दो बार कुचला, जिससे उनके दोनों पैरों में गंभीर चोटें आईं। 65 वर्षीय सांसद की आपातकालीन सर्जरी की गई, जिसमें उनका एक पैर काटना पड़ा, जबकि दूसरे पैर को बचाने का प्रयास जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक टोयोटा लैंडक्रेज़र कार ने पहले हेन्स को टक्कर मारी, फिर यू-टर्न लेकर उन्हें दोबारा कुचला और अपनी कार के साथ दबा दिया। घटना के बाद उन्हे हेलीकॉप्टर से मेलबर्न के अल्फ्रेड अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम उनकी हालत पर नज़र रख रही है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ ने जानबूझकर किया गया हमला बताया है, यह कहकर कि यह सामान्य दुर्घटना नहीं लगती। पुलिस ने घटनास्थल से 43 वर्षीय ब्रेंडन नूजंट को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से चाकू भी बरामद हुआ है। हालांकि, हमले के पीछे का मकसद अभी स्पष्ट नहीं है और पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

आरोपी के परिवार ने घटना पर दुख जताकर कहा कि हेन्स उनके 20 वर्षों से अधिक समय से मित्र रही हैं। उन्होंने ब्रेंडन के पिछले कुछ महीनों से अजीब बर्ताव को लेकर चिंता जाहिर की थी। यह घटना ऑस्ट्रेलिया में जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं बढ़ा रही है। हेलेन हेन्स 2019 से संघीय संसद में इंडी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही हैं और अपने स्थानीय मुद्दों को उठाने के लिए जानी जाती हैं। पुलिस फिलहाल एक अलग-थलग घटना मान रही है और व्यापक समुदाय के लिए किसी अतिरिक्त खतरे की सूचना नहीं है।

सऊदी और धार्मिक स्थलों की रक्षा के लिए पाकिस्तान हर जरूरी मदद देता रहेगा: चौधरी

–गठबंधन का मकसद किसी देश पर हमला करना नहीं है, यह रक्षात्मक गठबंधन है इस्लामाबाद,एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों के बढ़ते हमलों के बीच पाकिस्तान ने सऊदी अरब की सुरक्षा को लेकर पाक सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि सऊदी अरब की संप्रभुता, उसकी क्षेत्रीय अखंडता और वहां के धार्मिक स्थलों की रक्षा के लिए पाकिस्तान हर जरूरी मदद दे रहा है और आगे भी देता रहेगा। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लैफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने एक इंटरव्यू में यह बात कही। उन्होंने जोर देकर कहा कि सऊदी अरब की सुरक्षा और इस्लाम के दो पवित्र मस्जिदों की रक्षा पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा अहम है और इस मामले में कोई समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि पाकिस्तान, यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार की ओर से प्रत्यक्ष सैन्य सहायता के किसी भी अनुरोध पर 'विचार' कर सकता है, जिसका अर्थ है कि पाकिस्तानी सेना अब सीधे हतियारों से लड़ने का विकल्प खुला रख रही है। रिपोर्ट के मुताबिक लैफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने हतियारों के हमलों पर पाकिस्तान की प्रतिक्रिया को 'गुस्से' वाली बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सऊदी अरब और वहां के धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के मामले में कोई सवाल या समझौते की गुंजाइश नहीं है।। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने अक्सर में एक संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते के तहत तीनों देशों में से किसी एक पर हमला होने को बाकी सदस्यों पर भी हमला माना जाएगा। हालांकि, पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता ने साफ किया कि इस गठबंधन का मकसद किसी देश पर हमला करना नहीं है, बल्कि यह पूरी तरह रक्षात्मक गठबंधन है।



पुतिन ने दिया ट्रंप-जिनपिंग के साथ बैठक का प्रस्ताव, ज़ेलेंस्की को नहीं बुलाया

-यह बैठक 18-19 नवंबर को चीन के शेनझेन में एपीईसी समेलन में हो सकती है

मास्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ एक त्रिपक्षीय बैठक का प्रस्ताव दिया है, जिस पर डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सहमति जताई है। सूत्रों के मुताबिक यह बैठक अगले महीने 18 और 19 नवंबर को चीन के शेनझेन शहर में होने वाले एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन (एपीईसी) शिखर सम्मेलन के दौरान हो सकती है। इस संभावित बैठक की सबसे खास बात यह है कि इसमें यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की को शामिल करने की कोई योजना नहीं है।

इस बैठक पर अभी तक कोई अंतिम सहमति नहीं बनी है और चीन ने अमेरिकी अधिकारियों से इस प्रस्ताव को लेकर जानकारी मांगी है। यदि तीनों नेताओं की मुलाकात होती है, तो इसमें यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के तरीकों पर चर्चा हो सकती है। अमेरिकी विदेश मंत्री



माकॉ रबियो ने 19 अक्टूबर को पुष्टि की कि बैठक को लेकर बातचीत हुई है, लेकिन कोई फैसला नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप युद्ध समाप्त करने के हर संभव रास्ते पर विचार करने को तैयार हैं। ट्रंप ने स्वयं भी पुतिन और जिनपिंग से ज़ेलेंस्की के बिना मिलने की इच्छा व्यक्त की है, हालांकि उन्होंने बैठक होने की पुष्टि नहीं की।

वहीं, क्रेमलिन के प्रवक्ता ने इस विचार को शुरुआती

स्तर का बताया जबकि चीन के विदेश मंत्रालय ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष जारी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने आरोप लगाया है कि अमेरिका ने उन्हें जानकारी दिए बिना यूक्रेन की स्टारलिक इंटरनेट सेवा पर पाबंदियां लगाई हैं, जो यूक्रेनी सेना के लिए अहम है। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रि सिबिहा ने रूस,

अमेरिका और चीन के बीच संभावित बैठक पर आपत्ति जताई है। उनका मानना ​​है कि यूक्रेन को बातचीत से बाहर रखना रूस को युद्ध जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करेगा। ट्रंप ने ज़ेलेंस्की पर युद्ध समाप्त करने में रुचि न दिखाने का भी आरोप लगाया है। इस मुलाकात से यूरोपीय देशों के साथ उसके संबंधों पर भी असर पड़ सकता है, क्योंकि वे यूक्रेन का समर्थन करते हैं।

कोरियाई सीमा पर बढ़ा सैन्य तनाव: प्योंगयांग की धमकी पर सोल का सख्त जवाब



दोबारा शुरू करने और अधिक सामरिक हमलावर हथियार तैनात करने पर विचार कर रहा है। उन्होंने सीमा की स्थिति को बेहद अस्थिर बताया और उलटा दक्षिण कोरियाई सेना पर उत्तर कोरियाई सैनिकों के लिए खतरा पैदा करने का आरोप लगाया।

यह विवाद 21 सितंबर को सीमा के पास हुए एक बारूदी सुरंग विस्फोट के

बाद और बढ़ गया था, जिसमें दक्षिण कोरिया के तीन सैनिक घायल हो गए थे। सोल ने आरोप लगाया था कि उत्तर कोरिया ने दक्षिणी हिस्से में बारूदी सुरंगें बिछाई थीं, हालांकि प्योंगयांग ने इन आरोपों को सिरि से खारिज कर दिया। दक्षिण कोरियाई सेना के मुताबिक, इस साल उत्तर कोरियाई सैनिकों ने सीमा पर किलेबंदी का काम करते हुए सैन्य

सियोल, एजेंसी। कोरियाई प्रायद्वीप में

सैन्य तनाव चरम पर है। उत्तर कोरिया द्वारा दक्षिणी सीमा के पास और अधिक हथियार तैनात करने और प्रचार अभियान फिर से शुरू करने की धमकी के बाद, दक्षिण कोरिया ने अपने सैनिकों को दुश्मन की किसी भी उकसावे वाली कार्रवाई का करारा जवाब देने का आदेश दे दिया है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के अध्यक्ष जनरल जिन योंग-सुंग ने अग्रिम मोचे पर स्थित एक सैन्य इकाई का दौरा कर निर्देश जारी किए। उन्होंने उत्तर कोरिया पर सीमा पर बढ़ते तनाव की जिम्मेदारी दक्षिण कोरियाई सेना पर डलने का आरोप लगाकर कहा कि दक्षिण कोरिया के वैध सैन्य अभियानों को उकसावे की कार्रवाई बताना बिल्कुल अस्वीकार्य है। रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की प्रभावशाली बहन किम यो जोंग ने कहा था कि प्योंगयांग दक्षिण कोरिया के खिलाफ सीमा पर प्रचार अभियान

ट्रंप ने एलन मस्क को बताया महान दोस्त: स्पेसएस शेयर घोषणा पर दिया धन्यवाद

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बिजनेसमैन एलन मस्क को महान दोस्त करार दिया है। उन्होंने मस्क की जमकर तारीफ की और स्पेसएक्स के एक अहम फैसले के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। मस्क ने हाल ही में घोषणा की है कि वे अगले साल अमेरिका के हर बच्चे को अपनी कंपनी स्पेसएक्स का एक शेयर देंगे। ट्रंप ने ट्रूथ पर एक पोस्ट के जरिए मस्क को धन्यवाद देते हुए कहा, लीजेंडरी फेंड एलन मस्क को बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने लाखों अमेरिकी बच्चों को स्पेसएक्स के शेयर देने की घोषणा की है! ट्रंप ने यह भी बताया कि ट्रंप अकाउंटस का गटन इसी उद्देश्य से किया गया था, ताकि निजी क्षेत्र और प्रमुख हस्तियों को बच्चों में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके, जिससे वे अमेरिकन ड्रीम का हिस्सा बन सकें। स्पेसएक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मस्क ने खुद इस पहल की पुष्टि करते हुए लिखा, अगले साल, मैं अमेरिका के हर बच्चे को अपने स्पेसएक्स का एक शेयर दूंगा। यह अपने प्रकार की पहली पहल होगी। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब मस्क निजी एयरोस्पेस और स्पेटलाइट कंपनी स्पेसएक्स के सबसे बड़े शेयरहोल्डर बने हुए हैं। हाल ही में जारी दस्तावेजों के अनुसार, 30 जून तक स्पेसएक्स में मस्क की 48.4 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। उनके पास लगभग 6.42 अरब शेयर हैं, जिसमें वलास ए शेयर और ट्रस्ट के माध्यम से रखे गए वलास बी शेयर शामिल हैं, जहां वह ट्रस्टी के रूप में कार्य करते हैं।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका का अलर्ट, 11 देशों में नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह

वॉशिंगटन, एजेंसी। मध्य पूर्व में बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच अमेरिका ने 11 देशों और क्षेत्रों में अपने नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी कर दिया है। अमेरिकी राजनयिक मिशनों ने नागरिकों को सतर्क रहने और सुरक्षा परिस्थितियों में अचानक बदलाव के लिए तैयार रहने की सलाह दी है। चेतावनी में हवाई क्षेत्र बंद होने, उड़ानें रद्द होने और यात्रा दौरान कुछ सरकारी कार्यालयों और इमारतों को नुकसान पहुंचा। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया।

इटली और स्पेन में महंगाई व आवास संकट बढ़ा मुद्दा -इटली में छात्रों और कर्मचारियों ने महंगाई, कम वेतन और शैक्षणिक सुविधाओं की कमी के खिलाफ प्रदर्शन किया। मिलान में आंदोलन के दौरान तोडफोड़ और आगजनी की घटनाएं हुईं। प्रधानमंत्री जोर्जिया मेलोनी ने हिंसा की कड़ी निंदा की। पीएम मेलोनी ने प्रदर्शनकारियों से संयम बरताने की अपील की है। वहीं, स्पेन के 50 से अधिक शहरों में लोगों ने बढ़ते किराए और बेदखली के खिलाफ आवाज बुलंद की है। प्रदर्शनकारियों ने किराया कम करने और किरायेदारों के अधिकारों को मजबूत करने की मांग की। ग्रीस की राजधानी आथेंस में छात्र सरस्ते हॉस्टल, आर्थिक सहायता और बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं की मांग को लेकर संसद के बाहर तंबू लगाकर बैठे हैं। छात्रों का कहना है कि महंगे किराए और सीमित आवास सुविधाओं के कारण पढ़ाई जारी रखना मुश्किल होता जा रहा है।

बेल्जियम में सरकारी नीतियों का विरोध -वहीं, बेल्जियम में ट्रेड यूनियनों और छात्रों ने सरकारी खर्च में कटौती, शिक्षा सुधार और वेतन संबंधी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। कुछ स्थानों पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव की स्थिति बनी। इन प्रदर्शनों में महंगाई, बेरोजगारी, महंगी शिक्षा और आवास संकट

अमेरिका ने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कुवैत, जॉर्डन, बहरीन, ओमान, कतर, इराक, लेबनान, यमन और इजरायल में अपने नागरिकों को सतर्क रहने के कह दिया है। अमेरिकी मिशनों के अनुसार, क्षेत्र में तनाव बढ़ने पर अमेरिकी हितों, कंपनियों और संस्थानों को टारगेट करने का खतरा हो सकता है। हालांकि, अलर्ट का मतलब यह नहीं है कि सभी संबंधित देशों में हवाई अड्डे बंद हो गए हैं या उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। यात्रियों को अपनी यात्रा से पहले स्थिति की पुष्टि करने की सलाह दी गई है।

अमेरिकी अधिकारियों ने नागरिकों से कहा है कि वे अपनी उड़ानों की जानकारी संबंधित एयरलाइन और हवाई अड्डे से सीधे प्राप्त करें। इराक में बगदाद, इरबिल, बसरा और सुलेमानिया हवाई अड्डों की स्थिति जांचने को कहा गया है। वहीं, लेबनान में बेरूत स्थित रफीक हरीरी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से ताजा जानकारी लेने की सलाह दी गई है। क्षेत्रीय तनाव के कारण उड़ानों के समय में बदलाव या अचानक रद्द होने की आशंका को देखते हुए यात्रियों को वैकल्पिक योजनाएं तैयार रखने के लिए भी कहा गया है। अमेरिकी

बांग्लादेश लौटेंगी हसीना, बोलीं-मौत आए तो मेरे माता-पिता की मिट्टी पर



ढाका,, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग की प्रमुख शेख हसीना ने दिस्वर में अपने देश लौटने के अपने अटल संकल्प को दोहराया है, भले ही इसके लिए उन्हें गिरफ्तारी, प्रताड़ना या मौत का खोखला उठाना पड़े। वाशिंगटन डीसी में एक कार्यक्रम में ऑनलाइन शामिल होते हुए, 79 वर्षीय हसीना ने बेबाकी से कहा, मैं दिस्वर में बांग्लादेश वापस जाऊंगी। मुझे पता है कि वे मुझे मार सकते हैं, गिरफ्तार कर सकते हैं और प्रताड़ित कर सकते हैं, लेकिन मुझे डर नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वहां जाना उनकी जिम्मेदारी है।

नेतन्याहू को समर्थन देने से जेडी वेंस ने किया इंकार

–ट्रंप कर चुके हैं खुला समर्थन, अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले – मैं अमेरिकी उम्मीदवारों का समर्थन करता हूं, इजरायल के चुनाव में शामिल नहीं हो रहा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के दोबारा चुनाव लड़ने का समर्थन करने से इनकार कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाल ही में नेतन्याहू के समर्थन में सामने आए थे, लेकिन वेंस ने स्पष्ट किया कि वह इजरायल के



चुनाव में हस्तक्षेप नहीं करना चाहते। उनके इस बयान को ट्रंप के रुख से अलग नजरिए के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल ट्रंप के बयान के बाद एक साक्षात्कार में वेंस से पूछा गया कि क्या वह भी नेतन्याहू का समर्थन करते हैं। इस पर उन्होंने कहा, ‘मैं अमेरिकी उम्मीदवारों का समर्थन करता हूं। मैं

इजरायल के चुनाव में शामिल नहीं हो रहा हूं।' वेंस ने ट्रंप के समर्थन को अमेरिका और अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के इतिहास में सबसे प्रभावशाली समर्थनों में से एक बताया। हालांकि, उन्होंने दोहराया कि फिलहाल उनका ध्यान अमेरिका के मध्यावधि चुनावों पर है। यहां बताते चलें कि वेंस नॉर्थ कैरोलिना में रिपब्लिकन पार्टी के सीनेट उम्मीदवार माइकल हार्टली के प्रचार के लिए पहुंचे थे। इससे पहले वह विदेशी नेता के चुनाव प्रचार में भी हिस्सा ले चुके हैं। पिछले साल उन्होंने हंगरी के तत्कालीन प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान का समर्थन करने के लिए वहां का दौरा किया था। हालांकि, बाद में ओरबान की पार्टी संसदीय चुनाव हार गई थी।

सीमांकन रेखा का करीब 50 बार उल्लंघन किया है। दक्षिण कोरिया ने इन घटनाओं के जवाब में चेतावनी के तौर पर गोлияयां चलाई और लाउडस्पीकर से संदेश प्रसारित किए, जिन्हें किम यो जोंग ने उकसावे वाला बताया और जवाबी कदम उठाने की बात कही। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने उत्तर कोरिया की धमकियों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सैन्य सीमांकन रेखा के पास चेतावनी वाले प्रसारण और गोलिएयां चलाना उत्तर कोरियाई सैनिकों को सीमा पार करने से रोकने के लिए वैध रक्षात्मक उपाय है।

मंत्रालय ने कड़ी चेतावनी दी कि यदि उत्तर कोरिया इन कदमों को आगे किसी उकसावे की कार्रवाई का बहाना बनाता है, तो उसे निर्णायक जवाब दिया जाएगा। साथ ही, प्योंगयांग से सीमा उल्लंघन रोकने और तनाव कम करने के लिए बातचीत के प्रयासों का जवाब देने की अपील भी की गई।



यूरोप के 6 देशों में महंगाई, बेरोजगारी और महंगी शिक्षा के खिलाफ प्रदर्शन

फ्रांस में आगजनी-लूटपाट

न्यूयॉर्क,एजेंसी। यूरोप के छह देशों में महंगाई, बेरोजगारी, महंगी शिक्षा और आवास संकट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। फ्रांस, इटली, स्पेन, ग्रीस, बेल्जियम और अल्बानिया में लोगों ने सड़कों पर उतरकर सरकारों की नीतियों के खिलाफ नाराजगी जाहिर की है। कई जगह प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। फ्रांस में राजधानी सहित कई शहरों में आगजनी और लूटपाट की घटनाएं सामने आईं, जबकि ग्रीस में छात्र हॉस्टल की कमी और महंगे किराए के विरोध में संसद के बाहर धरने पर बैठ गए। फ्रांस में 17 अक्टूबर को करीब 140 शहरों में प्रदर्शन हुए। रिपोर्ट के मुताबिक, करीब आठ लाख लोग सड़कों पर उतरे। पेरिस, मार्सेई और बोर्दों में तोडफोड़ और लूटपाट की घटनाएं हुईं। लोमोज में ऐतिहासिक सिटी हॉल में आग लगने की खबर आई। 18 अक्टूबर तक करीब 1,800 लोगों को गिरफ्तार करने और 500 से अधिक सुरक्षाकर्मियों तथा दमकलकर्मियों के घायल

होने की जानकारी दी गई। राष्ट्रपति ईमैनुएल मैक्रों और प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्न ने हिंसा की निंदा की। वहीं एक और यूरोपिय देश अल्बानिया की राजधानी तिराना में प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री एदी रामा के इस्तीफे की मांग की। महंगी शिक्षा, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन 17 अक्टूबर को हिंसक हुआ। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथर और पेट्रोल बम फेंक दिए। इस दौरान कुछ सरकारी कार्यालयों और इमारतों को नुकसान पहुंचा। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया।

इटली और स्पेन में महंगाई व आवास संकट बढ़ा मुद्दा -इटली में छात्रों और कर्मचारियों ने महंगाई, कम वेतन और शैक्षणिक सुविधाओं की कमी के खिलाफ प्रदर्शन किया। मिलान में आंदोलन के दौरान तोडफोड़ और आगजनी की घटनाएं हुईं। प्रधानमंत्री जोर्जिया मेलोनी ने हिंसा की कड़ी निंदा की। पीएम मेलोनी ने

प्रदर्शनकारियों से संयम बरताने की अपील की है। वहीं, स्पेन के 50 से अधिक शहरों में लोगों ने बढ़ते किराए और बेदखली के खिलाफ आवाज बुलंद की है। प्रदर्शनकारियों ने किराया कम करने और किरायेदारों के अधिकारों को मजबूत करने की मांग की। ग्रीस की राजधानी आथेंस में छात्र सरस्ते हॉस्टल, आर्थिक सहायता और बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं की मांग को लेकर संसद के बाहर तंबू लगाकर बैठे हैं। छात्रों का कहना है कि महंगे किराए और सीमित आवास सुविधाओं के कारण पढ़ाई जारी रखना मुश्किल होता जा रहा है।

बेल्जियम में सरकारी नीतियों का विरोध -वहीं, बेल्जियम में ट्रेड यूनियनों और छात्रों ने सरकारी खर्च में कटौती, शिक्षा सुधार और वेतन संबंधी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। कुछ स्थानों पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव की स्थिति बनी। इन प्रदर्शनों में महंगाई, बेरोजगारी, महंगी शिक्षा और आवास संकट

इटली में हिंसक प्रदर्शन जारी, पीएम मेलोनी ने बुलाई आपात बैठक

270 प्रदर्शनकारियों को लिया हिरासत में, भारतीयों के लिए एडवाइजरी जारी

रोम, एजेंसी। फ्रांस के बाद इटली में बढ़ती महंगाई, महंगी होती रोजमर्रा की जरूरतों और सार्वजनिक सेवाओं की बदहाली के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों ने हिंसक रूप ले लिया है। मिलान समेत कई शहरों में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पों, दुकानों में लूटपाट और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं के बाद प्रधानमंत्री जोर्जिया मेलोनी ने सोमवार को सार्वजनिक व्यवस्था की स्थिति पर हाइलेवल बैटक की। इटली की पीएम जोर्जिया मेलोनी ने मिलान में हुई हिंसा पर आपात बैठक बुलाई। मिलान में दुकानों में तोडफोड़ और लूटपाट की घटनाओं के बाद कम से कम 270 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है, जिनमें अधिकतर नाबालिग बताए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, हिरासत में लिए गए लोगों में से 32 को गिरफ्तार किया गया। इनमें 23 नाबालिग और 13 विदेशी नागरिक शामिल हैं। इसके अलावा 28 लोगों के खिलाफ न्यायिक अधिकारियों को रिपोर्ट भेजी गई है। मिलान के शहर के केंद्र में सैकड़ों नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने कूड़ेदानों में आग लगा दी और

दुकानों में लूटपाट की। हालात को नियंत्रित करने के लिए दंगा-रोधी उपकरणों से लैस पुलिस ने आसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया। इस बीच इटली में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी जारी की है। इसमें भारतीयों को सतर्क रहने, भीड़भाड़ वाले इलाकों और प्रदर्शन स्थलों से दूर रहने की सलाह दी गई है। आपात स्थिति में भारतीय नागरिक के लिए नंबर जारी किए हैं-- भारतीय दूतावास, रोम+ +39 331 614 2085,- भारत का महावाणिज्य दूतावास, मिलान+ +39 3881647527। एडवाइजरी में घटनाओं के बाद कम से कम 270 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है, जिनमें अधिकतर नाबालिग बताए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, हिरासत में लिए गए लोगों में से 32 को गिरफ्तार किया गया। इनमें 23 नाबालिग और 13 विदेशी नागरिक शामिल हैं। इसके अलावा 28 लोगों के खिलाफ न्यायिक अधिकारियों को रिपोर्ट भेजी गई है। मिलान के शहर के केंद्र में सैकड़ों नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने कूड़ेदानों में आग लगा दी और



ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कैरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें।

कैरियर के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है ड्राइविंग

ड्राइविंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कैरियर बनाने के बारे में शायद ही कोई युवा सोचता हो। यकीनन यह कोई फुल टाइम प्रोफेशनल नहीं है लेकिन फिर भी अगर आप इसे एक कैरियर या व्यवसाय के रूप में देखते हैं तो इसमें भी आपके विकास की अपार संभावनाएं मौजूद है। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कैरियर ऑप्शन साबित हो सकता है, जो बहुत अधिक पढ़े-लिखे नहीं है, लेकिन फिर भी अच्छी आमदनी करके एक बेहतर जिवनगी जीना चाहते हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में कैरियर बनाकर आप किस तरह अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं-

ऐसे बनाएं कैरियर
कैरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कैरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें। इसके अलावा अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो इस स्थिति में आप कुछ ओला व उबर आदि में बतौर कार चालक अपने कैरियर की शुरुआत कर सकते हैं।

योग्यता
यह एक ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए किसी खास प्रोफेशनल डिग्री की आवश्यकता हो। आपको बस एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है और फिर कई ड्राइविंग स्कूल हैं जो आपको अपने आसपास के

क्षेत्र में मिलेंगे। आप वहां से ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

जरूरी स्किल्स
अगर आप सच में अपने कैरियर को ग्रोथ देना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कैरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपकी गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपका उनके प्रति व्यवहार कैसा होगा, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

संभावनाएं
इस क्षेत्र में कैरियर ग्रोथ काफी अच्छी है। सबसे पहले तो आप ओला व उबर के अलावा कई ड्राइविंग कंपनियों में बतौर ड्राइवर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो ड्राइविंग इंस्टीट्यूट में बतौर ट्रेनर भी काम कर सकते हैं और दूसरे लोगों को कार चलाना सिखा सकते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को पर्सनल कार ड्राइवर की जरूरत होती है, आप उनके लिए भी काम कर सकते हैं। वहीं खुद भी कार या टैक्सी लेकर उसे ड्राइव कर सकते हैं। इस तरह आप खुद ही मालिक बन सकते हैं।



एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गनेजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फ्लेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

अगर आप उनमें से हैं, जिन्हें नौ से पांच की जॉब करना अच्छा नहीं लगता। आप अपनी लाइफ में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो ऐसे में मिक्सोलॉजी के क्षेत्र में अपना कैरियर देख सकते हैं। यह एक बेहद ही डिफ्रेंट कैरियर ऑप्शन है। एक मिक्सोलॉजिस्ट एक व्यक्ति है जो कॉकटेल और मिश्रित पेय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मादक पेय और अन्य सामग्री को मिलाता है। आमतौर पर लोग मिक्सोलॉजिस्ट को बारटेंडर ही समझते हैं, लेकिन इनमें अंतर है। बारटेंडर केवल बार में होते हैं और केवल पहले से मौजूद ड्रिंक्स को ही बनाते हैं। जबकि मिक्सोलॉजिस्ट कई नए तरह के कॉकटेल बनाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस कैरियर के बारे में बता रहे हैं-

क्या होता है काम
एक मिक्सोलॉजिस्ट का काम बारटेंडर की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। वे कई तरह की ड्रिंक्स को मिक्स करके एक नया पेय पदार्थ बनाने के अलावा, बार को आर्गनाइज करना, कस्टमर्स को नए ड्रिंक्स के बारे में बताना और उन्हें एंटरटेन करना, नए पेय पदार्थों का सुझाव देना और मेन्यू में कुछ नए पेय पदार्थों को शामिल करना होता है। यह एक ऐसी

लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो मिक्सोलॉजी में देख सकते हैं अपना कैरियर

जॉब है, जिसमें आप हर दिन कुछ नए एक्सपेरिमेंट करते हैं और खुद को एक्सप्लोर करते हैं। हालांकि यहां पर काम के कोई निश्चित घंटे नहीं होते।

स्किल्स
कैरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गनेजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फ्लेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता
इस क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए किसी निश्चित डिग्री का होना आवश्यक नहीं है। आपके स्वाद की समझ ही आपको आगे लेकर जाती है। हालांकि, ज्यादातर कंपनियां ऐसे मिक्सोलॉजिस्ट को पसंद करती हैं जिनके पास बारटेंडिंग लाइसेंस होता है। उम्मीदवार किसी भी कंपनी में अल्पकालिक भुगतान प्रशिक्षण

पाठ्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

संभावनाएं
यकीनन यह एक अलग कैरियर क्षेत्र है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने काम में अच्छे हैं तो आपके पास काम की कोई कमी नहीं होने वाली है। आप बार या रेस्टोरेंट के अलावा, क्लब, पब, होटल, टैवर्न आदि में बेहद आसानी से काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां फूड एंड बेवरेज शो या फिर कई मार्केटिंग इवेंट्स में अपनी सर्विसेज देने के लिए भी मिक्सोलॉजिस्ट को हायर करती हैं। इस तरह के इवेंट्स में आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ़ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, लखनऊ
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता
- इंस्टिट्यूट ऑफ़ होटल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नोएडा
- इंस्टीट्यूट ऑफ़ होटल मैनेजमेंट, मुंबई
- इंस्टिट्यूट ऑफ़ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग टेक्नोलॉजी - एप्लाइड न्यूट्रिशन, कोलकाता
- सेंटमैरी कॉलेज, बेंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ़ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, शिमला

कैसे बनें लेखपाल ? जानें योग्यता, एग्जाम पैटर्न, सैलरी व सभी जानकारी

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगर आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल युवाओं में इस पद की डिमांड बहुत ज्यादा है। लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के साथ-साथ इंटरव्यू देना होता है। लेखपाल दो तरह के होते हैं - राजस्व लेखपाल और चकबंदी लेखपाल। राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं और राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं।

योग्यता
आपको किसी भी स्टीम से बारहवीं पास होना चाहिए।

मिनिमम परसेंटेज की कोई शर्त नहीं होती।

- उम्मीदवार के पास कम्यूटर कोर्स का सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

आयु सीमा
लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष और 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाती है।

लेखपाल बनने की परीक्षा

लेखपाल बनने के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू ये दो चरण होते हैं। लिखित परीक्षा 100 नंबर की होती है। इसके लिए 90 मिनट दिए

जाते हैं। इसमें माइनस मार्किंग नहीं होती। परीक्षा में हिन्दी, सामान्य ज्ञान, गणित और ग्राम समाज और विकास के प्रश्न पूछे जाते हैं। हर सेक्शन में 25-25 प्रश्न होते हैं। लेखपाल की परीक्षा के लिए सामान्य ज्ञान, हिंदी सामान्य गणित और सामाजिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू दोनों को मिलाकर जो भी मार्क्स मिलते हैं उसी के आधार पर लेखपाल को चुना जाता है।

सैलरी
एक लेखपाल की सैलरी 5200-20200 रूपए प्रतिमाह पे-ग्रेड के अनुसार होती है। लेखपाल एक वलेंटिरिफ कोस्ट है जो ग्रुप सी के अंतर्गत आती है।



टिफिन सर्विस का बिजनेस शुरू कर कमा सकते हैं लाखों

साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और वलीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।

कोरोनावयरस अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और इस दौर में कई जमे जमाए बिजनेस और दूसरे प्रोफेशनलों की कमर टूट चुकी है। कई लोगों की इस आपदा में नौकरी गई है तो कई लोगों का बिजनेस चौपट हुआ है। सबसे अधिक असर पड़ने वाली इंडस्ट्रीज में, फूड इंडस्ट्री पर निश्चित रूप से बड़ा असर पड़ा है। होटल, ढाबे जहां पर लोग इकट्ठे होकर खाना खाते थे, वहां बिजनेस जबरदस्त ढंग से प्रभावित हुआ है। पर लोगों की खाना खाने की जरूरतें तो कम नहीं हुई हैं, ऐसे में कई जगहों पर सुरक्षित टिफिन सर्विस एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। आइए देखते हैं इसकी कहां कहां और किस प्रकार उपयोगिता है और आप इसके जरिए किस प्रकार शुरुआत कर सकते हैं और किस प्रकार कमाई कर सकते हैं।

कारोबार को समझना जरूरी

ध्यान रखने वाली बात यह है कि बिजनेस चाहे कोई भी हो, किंतु उसे समझना एवं प्रबंधित करने का ढंग आपको वास्तविक रूप से उसका फायदा दिलाता है। अगर आप किसी बिजनेस को ठीक ढंग से मैनेज कर पाते हैं तो भारी मुनाफा और अच्छी क्रेडिबिलिटी हासिल कर सकते हैं। आखिर यूं ही तो आईआईएम से बड़े संस्थानों से निकले लोग सच्ची बेचकर या कोई छोटा मोटा रोजगार करके, या फिर खेती करके लाखों नहीं कमाते हैं ? उनके कमाने के उदाहरणों से प्रबंधन के गुणों को सीखना जरूरी है। कारोबार को प्रबंधित करने से पहले कारोबार को समझना और ग्राउंड वर्क करना जरूरी है। आप जिस भी क्षेत्र में रहते हों, आस पास अगर कोई टिफिन सर्विस चलती है तो उसके पास खुद एक ग्राहक बनकर जाएं और देखें कि वहां पर किस प्रकार से आपको टिफिन दी जाती है, उसके रेट क्या है, सच्ची इत्यादि की वैरायटी क्या है, अलग-अलग दिनों में वेज और नॉनवेज का कॉम्बिनेशन क्या है ? इतना ही नहीं, खाने की क्वालिटी कैसी है, डिलीवरी की टाइमिंग इत्यादि किस प्रकार से मैनेज किया जाता है, इन सब बातों को जब एक ग्राहक के तौर पर समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको इसकी बारीकियां समझ आ जायेंगी।

कस्टमर मैनेजमेंट और मार्केटिंग
यह एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है। जब आप एक कारोबार को समझ लेते हैं और ग्राउंड वर्क कर लेते हैं तो आपके सामने बड़ी चुनौती आती है कि कस्टमर आप किस प्रकार से ढूँढ़ें ? तो इसके लिए आपको एडवर्टाइजमेंट करना पड़ेगा। इसके लिए आप खुद केनवा जैसे ऑनलाइन सर्विस का प्रयोग करके अपनी टिफिन सर्विस का बैनर बना लें और व्हाट्सएप पर शेयर करें, खासकर उन कॉन्टेक्ट में, जिस एरिया में आप बिजनेस करना चाहते हैं। शुरुआत में अगर आप के

जानकार और आपके परिचित पहले ग्राहक बनते हैं, तो यह सबसे उत्तम होगा। एक तो ऑनरेडी वह आपको जानते हैं और दूसरे शुरू में विश्वास बनाने में आपको आसानी हो जाएगी। यह कार्य व्हाट्सएप पर आप आसानी से कर लेंगे, किंतु सिर्फ जानकारों में आप यह कार्य बढ़ा नहीं पाएंगे। कारोबार बढ़ाने के लिए आपको पंपलेट छपवाने पड़ेंगे और आसपास के एरिया में डिस्ट्रीब्यूटर करना पड़ेगा। वह हॉस्टल हो सकता है, कंपनी हो सकती है, या कोई लोकलटी हो सकती है। कस्टमर जब आपके बनने लगेंगे, तो उसको प्रबंधित करने में और क्वालिटी देने में आप चूक ना करें। ध्यान रखें, यह 21वीं सदी है और यहां पर जितनी बेहतरीन क्वालिटी और सर्विस आप देंगे, आपके ग्राहक करने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। कम लागत के लिए पहले एकाध कस्टमर से ही शुरु करें, और अनुभव के साथ महीने बाद कारोबार को गति दें।

ध्यान रहे कि यह बिजनेस ना केवल शहर में, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और यहां तक कि गांव तक में चलने लगा है। गांव में कई घरों में बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं, जो अकेले होते हैं। उनके बच्चे दूर शहरों में रोजी रोटी के लिए गए होते हैं, तो उनके लिए भी यह बेहद उपयोगी सर्विस है। ऐसे में निश्चित रूप से आपको इससे पुण्य और पैसा दोनों मिल सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें

- साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और वलीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।
- मेन्यू अपडेट करते रहें। साथ ही ध्यान रखें कि स्वाद के चक्कर में ऐसा नहीं होना चाहिए कि कस्टमर के हेल्थ से समझौता हो जाए। कल्पना करें कि अगर कोई खाना खाने के बाद कस्टमर का पेट खराब हो जाता है या उसे अन हेल्दी फील होता है तो आप अपने ग्राहक को खेदेंगे। हां! स्वाद के लिए आपने मेन्यू में आप कोई मिठाई या दूसरी चीजें अपडेट करते रह सकते हैं।
- कस्टमर के फीडबैक के आधार पर किसी दिन उसकी पसंद का मेन्यू जरूर बना सकते हैं। त्योंहार इत्यादि के दिन पूरी या ऐसी दूसरी लोकल डिश कस्टमर को टेस्ट करा सकते हैं, पर यह कस्टमर के फीडबैक के आधार पर ही होना चाहिए।
- समय का पालन बहुत जरूरी है। अगर सुबह ब्रेकफास्ट 8-00 बजे पहुंचाते हैं, तो यह किसी हालत में 8 से लेट नहीं होना चाहिए, बहुत पहले भी नहीं होना चाहिए। समय पर डिलीवरी आपके बारे में एक बेहतरीन राय कायम करेगी। अगर किसी कारण वश देरी होने की सम्भावना है तो व्हाट्सएप या कॉल पर कस्टमर को अपडेट जरूर कर दें।

सिमोग में दशहरा पर्व समारोह में शामिल हुए संस्कृति मंत्री महाराज

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : प्रदेश के पर्यटन धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने जौनसार-बावर क्षेत्र के सिमोग में पहुंच कर शिलगुर विजट महाराज के दर्शन कर मंदिर में पूजा अर्चना कर दशहरा पर्व पर आयोजित धार्मिक, सांस्कृतिक और भव्य क्रीड़ा प्रतियोगिता सहित अनेक कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया। प्रदेश के पर्यटन धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने मंगलवार को जौनसार-बावर क्षेत्र के सिमोग में पहुंच कर शिलगुर विजट महाराज के दर्शन कर मंदिर में पूजा अर्चना करने के साथ-साथ दशहरा पर्व पर टैंस वैली युवा विकास समिति, ग्राम-कोटी, खत-विशालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभा कर भव्य क्रीड़ा प्रतियोगिता में शामिल होने के पश्श्चात जमुना कृष्णधाम



हरिपुर कालसी में मां यमुना की मूर्ति पर माल्यार्पण भी किया। श्री महाराज ने विजय दशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि

इस बार विजयादशमी का विशेष महत्व है। क्योंकि सिरमौर और शिमला जिले की सीमा पर स्थित सराहन और चूड़ी धार (चूड़धार)

से आराध्य देव शिरगुल महाराज का विजया दशमी पर जौनसार-बावर क्षेत्र के सिमोग में आगमन हुआ है। उन्होंने कहा कि महाराज के दर्शन के लिए न केवल उत्तराखंड बल्कि हिमाचल प्रदेश और अन्य पड़ोसी राज्यों से भी भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इस उत्सव के दौरान जौनसारी संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। स्थानीय लोग अपने पारंपरिक पहनावे में सज-धजकर ढोल-दमाऊकी थाप पर पारंपरिक लोक नृत्य करते हैं, जो इस भागीदारी का मुख्य आकर्षण है। इस अवसर पर भीम सिंह चौहान, जबर सिंह नेगी, डॉ. श्याम कुंवर, शांति चौहान, अमित नगी, गीता राम शर्मा, संत राम चौहान, सूरत सिंह चौहान, केशर सिंह चौहान, बोर सिंह चौहान आदि उपस्थित थे।

दशहरा महोत्सव में सीएम धामी का संदेश: सत्य, धर्म और मर्यादा के मार्ग पर चलें प्रदेशवासी



देहरादून। देश के विविध भौगोलिक क्षेत्रों, संस्कृतियों और परंपराओं को करीब से जानने के उद्देश्य से सिद्धांत सिसोदिया बाइक से भारत भ्रमण पर निकले हैं। दो अक्टूबर को श्रीनगर, कश्मीर से शुरू हुआ उनका सफर अब केरल के अलपुझा तक पहुंच चुका है। बाइक पर अकेले निकले दून के

सिद्धांत का लक्ष्य कन्याकुमारी पहुंचने के बाद देश के कई प्रमुख शहरों से होते हुए तीन नवंबर तक देहरादून लौटना है।

सिद्धांत का यह सफर पारंपरिक श्रीनगर से कन्याकुमारी तक की यात्रा से अलग है। उन्होंने अपने अभियान में उत्तर, पश्चिम और दक्षिण भारत के विभिन्न क्षेत्रों को शामिल किया है। कन्याकुमारी से वापसी के दौरान वह मद्रुरै, बंगलूरु, हैदराबाद, नागपुर, झांसी और आगरा होते हुए देहरादून पहुंचेगे।

सिद्धांत का कहना है कि अकेले मोटरसाइकिल से लंबी दूरी तय करना उनके लिए रोमांच के साथ खुद को चुनौती देने का भी अवसर है। इस दौरान उन्हें अलग-अलग जगहों की जीवनशैली को समझने, अज्ञान स्थानों को तलाशने और विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों से मिलने का मौका मिल रहा है। सिद्धांत अपनी इस यात्रा के अनुभवों को तस्वीरों और वीडियो के माध्यम से दर्ज कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार सेना की तैयारी कर रहे 150 युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव बताए

बागेश्वर। नशामुक्त उत्तराखंड अभियान के तहत जिले में पुलिस की एनटीएफ और एसओजी टीम ने घटबगड़ क्षेत्र में सेना भर्ती की तैयारी कर रहे 150 युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। युवाओं को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई।

एसपी जितेंद्र मेहरा के निर्देश पर पुलिस ने सोमवार को घटबगड़ में कैप्टन नारायण सिंह के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रहे युवाओं को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक नुकसान की जानकारी दी गई। उन्हें बताया कि नशीले पदार्थों का सेवन शारीरिक क्षमता और सहनशक्ति को प्रभावित करता है। युवाओं को खेल और अभ्यास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान पुलिस ने अवैध नशे की बिन्नी और तस्करी की सूचना देने के लिए हेल्पलाइन नंबर 1933 और आपातकालीन सेवा 112 की जानकारी दी।

त्योहारी सीजन के बिना भी बढ़ रही स्थानीय उत्पादों की बिन्नी

देहरादून। स्थानीय उत्पादों की बिन्नी अब केवल त्योहारी सीजन तक सीमित नहीं है। अब बिना त्योहारी सीजन में भी लोग स्थानीय उत्पादों को खरीद रहे हैं और इसका उपयोग बढ़ रहा है। स्थानीय उत्पादों की शुद्धता, आसान उपलब्धता और केंद्र-राज्य सरकारों के द्वारा लगातार स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने से भी लोगों में स्थानीय उत्पादों के प्रति रूचि बढ़ रही है।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि स्वास्थ्य के प्रति लोगों में आ रही जागरूकता इसका एक बड़ा कारण है। स्थानीय उत्पाद अपनी शुद्धता के कारण लोगों की पहली पसंद बन रहे हैं। वातावरण के प्रति अनुकूलता भी स्थानीय उत्पादों को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभा रही है।त्योहारी सीजन ने महिलाओं के सेल्फ हेल्थ ग्रुप (एसएचजी) के बने उत्पादों की बिन्नी बढ़ा दी है। त्योहारों में घरेलू उपयोग के सामान, सजावटी सामान और पूजा से संबंधित वस्तुओं की बिन्नी तेज हो जाती है। राज्य के सेल्फ हेल्थ ग्रुप द्वारा इसी तरह के उत्पाद प्रमुखता से तैयार किए जाते हैं।अभी दिवाली के साथ-साथ अन्य त्योहार भी आने वाले हैं। सरकार सभी जिलों में सरस मेलों का आयोजन कर रही है और अभी दो राष्ट्रीय सरस मेलों का भी आयोजन होना है। इन सभमें लखपति दीर्घियों द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों की बिन्नी में बढ़ोतरी का अनुमान है। इससे महिला उद्यमियों को आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है।

एनपीएस व यूपीएस के विरोध में कर्मचारियों ने किया पुतला दहन

देहरादून। राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा ने नई पेंशन योजना (एनपीएस) व एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के विरोध में पुतला दहन कर पुरानी पेंशन बहाली के लिए आवाज बुलंद की।

मोर्चे के प्रदेश प्रभारी चित्रभ सिंह रावत ने कहा कि कर्मचारियों ने अपना पूरा सेवाकाल सरकारी व्यवस्था को मजबूत बनाने में समर्पित किया है। ऐसे में सेवानिवृत्ति के बाद सामानजनक जीवन और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। सरकार को कर्मचारियों की भावनाओं को समझते हुए पुरानी पेंशन बहाली की दिशा में ठोस निर्णय लेना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष मनोज अवस्थी ने कहा कि पुरानी पेंशन कर्मचारियों के सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और भविष्य की स्थिरता से जुड़ा विषय है। एनपीएस व यूपीएस के विरोध में प्रदेशभर में हुड़ा पुतला दहन कर्मचारियों के असंतोष और पुरानी पेंशन बहाली के प्रति उनके हृद संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली की लड़ाई को निर्णायक मुकाम तक पहुंचाने के लिए सभी कर्मचारी संगठनों को एक मंच, एक बैनर और एक आवाज के साथ आगे आना होगा। प्रदेश महासचिव सीता राम पोखरियाल ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन की सफलता के लिए प्रदेश के समस्त शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारियों की सज्जित भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने सभी कार्मिकों से आपसी मनभेदों से उपर उठकर इस साझा संघर्ष को मजबूती प्रदान करने की अपील की।

राष्ट्रपति मुर्मू 1 नवंबर को, अमित शाह 6 नवंबर को आएंगे देहरादून

देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में नवंबर के पहले सप्ताह में दो महत्वपूर्ण वीवीआईपी दौरों को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित एक नवंबर के दौर और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के छह नवंबर को देहरादून आगमन को लेकर शासन-प्रशासन तथा पुलिस महकमा व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटा है। इन दौरों के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और संबंधित कार्यक्रम स्थलों पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। वहीं, उत्तराखंड पुलिस के लिए छह नवंबर का दिन ऐतिहासिक महत्व रखने वाला है। इस अवसर पर पुलिस बल को प्रतिष्ठित प्रेसिडेंट्स पुलिस क्लर प्रदान किए जाने का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

1 नवंबर को देहरादून पहुंचेंगी राष्ट्रपति, 2 नवंबर को केदारनाथ धाम में दर्शन

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एक नवंबर को देहरादून पहुंचेंगी। उनके रात्रि विश्राम की व्यवस्था राजपुर रोड स्थित राष्ट्रपति निकेतन में बताई गई है। इसके बाद दो नवंबर की सुबह राष्ट्रपति केदारनाथ धाम के प्रतिष्ठित प्रेसिडेंट्स पुलिस क्लर प्रदान किए जाने का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए राष्ट्रपति निकेतन

दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल में नवजात बदलने का आरोप

देहरादून। राजधानी देहरादून स्थित दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल में नवजात शिशु बदलने के आरोप का एक और मामला सामने आया है। सोमवार को प्रसव के बाद परिजनों को पहले बेटा होने की जानकारी दी गई, लेकिन कुछ देर बाद चिकित्सकों की ओर से बेटी होने की बात बताए जाने पर विवाद खड़ा हो गया। परिजनों ने अस्पताल में करीब दो घंटे तक हंगामा किया और नवजात बदलने का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। हालांकि, अस्पताल प्रबंधन के अनुसार प्रारंभिक जानकारी में निजी एजेंसी के कर्मचारी की ओर से गलत सूचना दिए जाने की बात सामने आई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, उत्तरकाशी जिले के मोरी क्षेत्र निवासी सुनीता राणा ने सोमवार को दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया। प्रसव के बाद उनके पति यशपाल राणा को एक स्वास्थ्यकर्म ने बेटा होने की सूचना दी। परिजनों का आरोप है कि कुछ देर बाद चिकित्सकों ने उन्हें बताया कि नवजात बेटी है। पहले दी गई जानकारी और बाद में बताई गई बात में अंतर होने से परिजन नाराज हो गए। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और परिजनों ने अस्पताल परिसर में हंगामा शुरू कर दिया।

गलत जानकारी देने का आरोप

यशपाल राणा के अनुसार, उनकी पत्नी को पेट में दर्द होने पर पहले मोरी के स्थानीय अस्पताल ले जाया गया था। वहां से उन्हें देहरादून रेफर किया गया। दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल में प्रसव के बाद उन्हें पहले बेटे के जन्म की सूचना दी गई, लेकिन बाद में बेटी होने की जानकारी दी गई। परिजनों ने इस पर सवाल उठाते हुए नवजात की पहचान और अस्पताल के रिकॉर्ड की जांच की मांग की।

तीन महीने में दूसरी बार उठा मामला

दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल में नवजात बदलने को लेकर इससे पहले अगस्त में भी ऐसा ही मामला सामने आया था। उस समय प्रेमनगर निवासी सुमित ने अपनी पत्नी नीरज के प्रसव के बाद नवजात बदलने की आशंका जताई थी। उनका कहना था कि पहले उन्हें बेबी बॉय होने की जानकारी दी गई, जबकि बाद में बेटी होने की



प्रस्तुत किया जा रहा था। इसी दृश्य में खर का अभिनय कर रहे अमित जोशी के साथ अचानक हादसा हो गया। बताया गया कि अभिनय के दौरान उनका पैर अपने ही वस्त्रों में उलझ गया। इससे उनका संतुलन बिगड़

धरती बचाओ यात्रा गदरपुर पहुंची, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

गदरपुर। जीरकपुर पंजाब से बरती बचाओ यात्रा का चौथा विशाल नगर कीर्तन गदरपुर पहुंचा। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेट्री के प्रधान नरेंद्र सिंह ग्रोवर के नेतृत्व में सिख समाज के लोगों ने धन धन श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर निकाले जा रहे नगर कीर्तन का स्वागत किया। कमेट्री के पदाधिकारियों ने पंच प्यारों को सम्मानित किया। उन्होंने वरिष्ठ पदाधिकारियों को भी सरोगा भेंट किया। यात्रा का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना था। इसमें धरती पर अधिक-से-अधिक पेड़ लगाने पर जोर दिया गया। संगत ने पालकी साहिब के समुख शीश नवाया। सभी ने सर्वत्र खुशहाली की कामना की। धरती बचाओ यात्रा का समापन गुरुद्वारा श्री नानकमता साहिब में होना था। इस अवसर पर ओषधीय पौधों का वितरण भी किया गया। वहां हेड ग्रंथी राजेंद्र सिंह, दर्शन सिंह, सादा सिंह, कर्नैल सिंह, इंद्रजीत सिंह ग्रोवर, भारत सिंह, अमरजीत सिंह संधू, संजीव सैनिया, मनजीत सिंह खालसा, हरजिंदर सिंह सहित तमाम संगत मौजूद रही।

दिव्यांग विद्यार्थियों के शैक्षिक और कौशल विकास पर जोर

देहरादून। सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विशिष्ट आवश्यकता वाले छात्र-छात्राओं के शैक्षिक, शारीरिक और कौशल विकास को और प्रभावी बनाने के लिए विकासखंड स्तर पर विशेष शिक्षकों की भूमिका तय की गई है। गढ़वाल मंडल के अपर शिक्षा निदेशक (माध्यमिक शिक्षा) प्रमेन्द्र कुमार ने इस संबंध में सभी खंड शिक्षा अधिकारियों और उप शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

निर्देश के अनुसार विशेष शिक्षक अपने विद्यालय की जिम्मेदारियों के साथ-साथ विकासखंड के तहत आने वाले विद्यालयों में अध्ययनरत विशिष्ट आवश्यकता वाले छात्र-छात्राओं की गतिविधियों का समन्वय करेंगे। विद्यार्थियों की विशेष आवश्यकता और क्षमता के आधार पर उन्हें चिह्नित कर उनके विकास के लिए कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

अपर शिक्षा निदेशक ने कहा, प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर नियुक्त विशेष शिक्षकों की विशेषज्ञता का लाभ विकासखंड के सभी संबंधित विद्यार्थियों को मिलना चाहिए। इसके लिए विशेष शिक्षकों का समूह बनाकर उनकी दक्षता और अनुभव के आधार पर विभिन्न गतिविधियों की जिम्मेदारी दी जा सकती है। समग्र शिक्षा अभियान के तहत विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षा की मुख्‍यधारा से जोड़ने के साथ उनके शैक्षिक, शारीरिक और विभिन्न कौशलों के विकास के लिए कई कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। निर्देश में कहा गया है कि विशिष्ट आवश्यकता वाले छात्र-छात्राओं को विद्यालयों में समान अवसर और बेहतर माहौल उपलब्ध कराया जाना जरूरी है, ताकि वे अपनी क्षमताओं के अनुरूप आगे बढ़ सकें।



का प्रसंग हमें सिखाता है कि अहंकार और अधर्म चाहे कितने ही शक्तिशाली क्यों न हों, अंततः विजय सत्य और धर्म की ही होती है। रावण के पास अपार संपत्ति, सामर्थ्य

भ्रष्टाचार, अन्याय, नशे और महिलाओं के प्रति हिंसा जैसी सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता जरूरी है।

और विशाल सेना थी, लेकिन अहंकार तथा मर्यादा का उल्लंघन उसके पतन का कारण बना।उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम ने अपने जीवन और आचरण से त्याग, संयम, कर्तव्यपालन तथा मर्यादा के ऐसे आदर्श स्थापित किए, जो आज भी समाज का मार्गदर्शन करते हैं। पिता के वचन की रक्षा के लिए राजसुख का त्याग कर 14 वर्ष का वनवास स्वीकार करना उनके सिद्धांतों के प्रति अटूट निष्ठा का उदाहरण है।मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे अपने भीतर के अहंकार, क्रोध, लोभ और नकारात्मक प्रवृत्तियों का त्याग करें। उन्होंने कहा कि

पुलिस संगठन की सेवाओं, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और उल्लेखनीय योगदान की पहचान के रूप में देखा जाता है। उत्तराखंड पुलिस को यह सम्मान मिलना राज्य के पुलिस बल के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि होगी।

इस सम्मान के साथ पुलिस विभाग की पहचान और प्रतीक चिह्नों में भी बदलाव देखने को मिल सकता है। पुलिस ध्वज, वर्दी पर लगाए जाने वाले बैज, मोनोग्राम और अन्य प्रतीक चिह्नों को नए स्वरूप में प्रस्तुत करने की तैयारी की जानकारी सामने आई है।

नए रंग—रूप में नजर आएंगी उत्तराखंड पुलिस की वर्दी

प्रस्तावित बदलावों के तहत उत्तराखंड पुलिस के जवानों की वर्दी पर लगने वाले कुछ प्रतीक चिह्नों और पहचान संबंधी निशानों को नया स्वरूप दिया जा सकता है। इनमें सीने पर लगाया जाने वाला बैज, बाजु पर लगने वाला मोनोग्राम, टोपी पर अंकित चिह्न तथा यूनिट या फॉर्मेशन की पहचान से जुड़े निशान शामिल बताए जा रहे हैं। इन बदलावों का उद्देश्य पुलिस बल की पहचान को अधिक नवीरस्थित, एकरूप और विशिष्ट बनाना है।हालांकि, नए डिजाइन, रंगों और प्रतीक चिह्नों के अंतिम स्वरूप की पुष्टि आधिकारिक विभागीय जानकारी के आधार पर ही की जानी चाहिए।

कार की बीमा में तय कीमत से ज्यादा मुआवजा नहीं मिलेगा

देहरादून। उत्तराखंड राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतिष्ठोप आयोग ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि उपभोक्ता को उसकी गाड़ी की घोषित बीमा कीमत (आईडीवी) से अधिक मुआवजा किसी भी हाल में नहीं दिया जा सकता। राज्य आयोग की अध्यक्ष न्यायमूर्ति कुमकुम रानी और सदस्य बी.एस. मनराल की पीठ ने जिला उपभोक्ता आयोग, उधम सिंह नगर के उस फैसले को संशोधित कर दिया है, जिसमें बीमा कंपनी को गाड़ी की कुल कीमत से भी अधिक मुआवजा देने का आदेश दिया गया था। मामला उधम सिंह नगर के काशीपुर निवासी ऋषभ से जुड़ा है। उन्होंने अपनी फोर्ड फिगो कार का ओरिएंटल इश्योरेंस कंपनी

से 3,25,000 रुपये की बीमित राशि (ईडीवी) पर बीमा कराया था। अप्रस्त 2016 में एक सड़क दुर्घटना के दौरान अचानक सामने आए जानवर को बचाने के चक्कर में ऋषभ को कार अनियंत्रित होकर खंती में गिर गई और उसमें आग लग गई। इस हादसे में कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई थी। ऋषभ ने बीमा कंपनी के समक्ष दावा पेश किया, लेकिन कंपनी ने सर्वेक्षक की रिपोर्ट और कुछ तकनीकी कमियों का हवाला देते हुए दावे को खारिज (नो क्लेम) कर दिया था।बीमा कंपनी की ओर से क्लेम खारिज किए जाने के बाद ऋषभ ने जिला उपभोक्ता आयोग में सेवा में कमी की शिकायत दर्ज कराई थी।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेंद्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

आईसीसी रैंकिंग: जिम्बाब्वे सीरीज जीत के बाद नंदनी शर्मा और क्रांति गौड़ ने लगाई बड़ी छलांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की गेंदबाज नंदनी शर्मा और क्रांति गौड़ को जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन का फायदा मिला है। दोनों खिलाड़ियों ने आईसीसी की महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में अपनी स्थिति बेहतरी की है। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई टीम की मेगन शट, एलिस पेरी और एनाबेल सदरलैंड को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है। नंदनी शर्मा ने लगाई 26 स्थानों की छलांग भारतीय तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा ने रैंकिंग में सबसे बड़ी छलांग लगाई है। वह 26 स्थान ऊपर चढ़कर 45वें नंबर पर पहुंच गई हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरुआती दो टी20 मुकाबलों में उन्होंने कुल तीन विकेट हासिल किए। पहले मैच में नंदनी ने 11 रन देकर दो विकेट लिए थे। इस प्रदर्शन के बाद उन्होंने करियर की सर्वश्रेष्ठ 507 रैंटिंग अंक भी हासिल कर लिए हैं। क्रांति गौड़ को भी मिला शानदार प्रदर्शन का	फायदा भारतीय गेंदबाज क्रांति गौड़ ने भी आईसीसी महिला टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में सुधार किया है। वह नौ स्थान ऊपर चढ़कर 43वें नंबर पर पहुंच गई हैं। क्रांति ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के पहले दोनों मुकाबलों में एक-एक विकेट लिया था। उनकी इस निरंतरता ने रैंकिंग में उनकी स्थिति मजबूत की है और भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के लिए यह सकारात्मक संकेत है। शेफाली वर्मा चौथे स्थान पर बरकरार भारतीय बल्लेबाजों की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भी बदलाव देखने को मिला है। शेफाली वर्मा बल्लेबाजों की सूची में चौथे स्थान पर बनी हुई हैं। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में केवल 25 गेंदों पर 55 रन की तेजतर्रार पारी खेली थी। वहीं, दीप्ति शर्मा ने पहले टी20 मैच में 37 गेंदों पर 49 रन बनाए, जिसके बाद वह एक स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 37वें नंबर पर पहुंच गईं।	न्यूजीलैंड की जॉर्जिया रिलमर और मैडी ग्रीन को फायदा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नॉर्थ सिडनी में खेले गए टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में न्यूजीलैंड की बल्लेबाज जॉर्जिया रिलमर और मैडी ग्रीन ने भी रैंकिंग में सुधार किया। रिलमर ने नाबाद 85 रन की पारी खेली, जो इस प्रारूप में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। ग्रीन भी नाबाद रहीं और दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 127 रन की साझेदारी की। न्यूजीलैंड ने दो विकेट पर 162 रन बनाए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट से मुकाबला जीत लिया। मेगन शट वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंचीं बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की सफलता का सबसे बड़ा फायदा तेज गेंदबाज मेगन शट को मिला। उन्होंने तीसरे वनडे में 16 रन देकर चार विकेट लिए और पांच ओवर मेडन डाले। उनकी शानदार गेंदबाजी के सामने बांग्लादेश की टीम की पारी के दौरान स्कोर
--	--	--



चार विकेट पर 45 रन रहा। शट ने पूरी सीरीज में कुल 10 विकेट लिए और दृष्टि महिला वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गईं।

एनाबेल सदरलैंड और एलिस पेरी की वनडे रैंकिंग में सुधार

ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाज एनाबेल सदरलैंड ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे में नाबाद

रोनाल्डो का लगा एक माह का प्रतिबंधा और जुर्माना



लिस्बन (एजेंसी)। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टीयानो रोनाल्डो पर एक माह का प्रतिबंध लग गया है। ऐसे में वह इस दौरान मैदान से दूर रहेंगे।

उत्तर पर इसके साथ ही 285 डॉलर का जुर्माना ली लगाया गया है। पुर्तगाल फुटबॉल एसोसिएशन ने ये प्रतिबंध रोनाल्डो और राष्ट्रीय टीम के कोच जॉर्ज जेसस के बीच बहसबाजी को लेकर लगाया है। इस मामले की जांच में पुर्तगाली फेडरेशन ने रोनाल्डो को दोषी पाया है।

यह मामला पुर्तगाल की नेशनल फुटबॉल टीम के एक कैप का है। इसमें 41 वर्षीय रोनाल्डो टीम में अपनी भूमिका को लेकर कोच से सहमत नहीं थे। पुर्तगाली फेडरेशन की अनुशासनात्मक यूनिट ने इस घटना की जांच की और रोनाल्डो पर लगे आरोपों को पूरी तरह से सही ठहराया। इसी आधार पर उन पर 30 दिन का प्रतिबंध और 285 डॉलर (तकरीबन 23,700 रुपये) का जुर्माना लगाया गया है।

वहीं रोनाल्डो का आरोप है कि कोच ने उनसे दो बार वादखिलाफी की। नेशनल लीग में डेनमार्क के खिलाफ अहम मैच से पहले क्रिस्टीयानो रोनाल्डो पुर्तगाल टीम का कैप छोड़कर चले गए थे। उन्होंने

इगा स्वियातेक ने चोट के कारण निंगबो ओपन से नाम वापस लिया



वुहान। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक ने बाईं जांघ में लगातार बनी हुई चोट के कारण निंगबो ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। उनके इस फैसले से साल के अंत में होने वाले WTA फाइनल्स में सीधे कालीफाई करने की संभावनाओं को बड़ा झटका लगा है। अब पोलैंड की इस स्टार खिलाड़ी के दुर्भाग्य में खेलने का एकमात्र रास्ता वैकल्पिक खिलाड़ी (ऑल्टरनेट) के रूप में प्रवेश करना है।

स्वियातेक को यह चोट वुहान ओपन के सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान लगी थी, जहां उनका सामना अपनी हमवतन खिलाड़ी माजा चालिस्का से हुआ था। इस हाई कोर्ट मुकाबले में चोट के कारण स्वियातेक को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने अपनी फिटनेस को प्राथमिकता देते हुए निंगबो ओपन से हटने का फैसला किया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 100 से अधिक विकेट लेने वालों की सूची में भारत के अश्विन और कुंबले भी शामिल

मुम्बई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में 100 रनों से अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में भारत के भी दो गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन और अनिल कुंबले शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड नंबर एक पर हैं। ब्रॉड ने ऑस्ट्रेलिया



के खिलाफ 153 विकेट लिए हैं। वहीं इंग्लैंड के पूर्व गेंदबाज इयान बॉथम ने 148 विकेट लिए हैं और वह दूसरे स्थान पर हैं। वहीं वेस्टइंडीज के कर्टनी वॉल्श के नाम 135 विकेट हैं। न्यूजीलैंड के रिचर्ड हैडली के 130 विेट दर्ज हैं। इसके अलावा वेस्टइंडीज के कर्टली एम्ब्रॉस और इंग्लैंड के बॉब विलिस ने भी 128-128 विकेट लिए हैं। इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन के नाम 117 विकेट हैं। कई दूसरे गेंदबाजों ने भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैचों में 100 से ज्यादा विकेट लिए हैं। भारतीय गेंदबाजों की बात करें तो अश्विन और अनिल कुंबले को ही इस सूची में जगह मिली है। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में 114 विकेट लिए, जबकि कुंबले के नाम 111 विकेट हैं। दोनों गेंदबाजों ने अपनी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी को कई बार हैरान किया है। अश्विन साल 2023 में कुंबले को पीछे छोड़कर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने थे। ऑस्ट्रेलिया जैसी विश्व की शीर्ष टीम के खिलाफ 100 से अधिक विकेट लेकर अश्विन और कुंबले ने भारतीय गेंदबाजों की धाक जमाने के साथ ही युवाओं को प्रेरित भी किया क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी आक्रमण काफी अस्थ्र माना जाता रहा है।

कैफ ने भुवनेश्वर की वापसी को सही करार दिया

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने न्यूजीलैंड दौरे के लिए तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की भारतीय टीम में वापसी को सही करार दिया है। कैप का कहना है कि भुवनेश्वर भी जसप्रीत बुमराह की तरह शीर्ष स्तर के गेंदबाज हैं। कैफ ने कहा कि खेल को लेकर जुनून और कठिन अभ्यास उनकी उनकी सफलता का राज है। उन्होंने कहा कि भुवनेश्वर चयन के बारे में ज्यादा सोचने की जगह केवल अपने प्रदर्शन के बल पर ही टीम में अपनी जगह पक्की करते हैं। कैफ के अनुसार जो खिलाड़ी चयन के बारे में अधिक नहीं सोचते उन्हें कम दबाव होता है जिससे वे निराशा से बचते हैं। भुवनेश्वर इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि उनका एकमात्र काम मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। कैफ ने भुवनेश्वर के गेंदबाजी कौशल की भी जमकर प्रशंसा की है। वह यॉर्कर, इन-स्विंग, आउट-स्विंग, नकल बॉल और

महिला प्रीमियर लीग नीलामी 2027 में होगी कड़ी प्रतिस्पर्धा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुम्बई (इंफामएस)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2027 सत्र के लिए नीलामी इस माह के अंत में करल के कोच्चि में होगी। 28 अक्टूबर को होने वाली इस नीलामी में कुल 146 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी। इस दौरान सभी पांच फ्रेंचाइजी के पास केवल 27 खिलाड़ियों के लिए स्लॉट उपलब्ध हैं, जिससे यह बोली प्रक्रिया बेहद कड़ी रहेगी और इसमें सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को ही अवसर मिल सकेगा। हर खिलाड़ी के लिए इस नीलामी के जरिये डब्ल्यूपीएल के अगले संस्करण में अपनी जगह पक्की करने का अवसर रहेगा।

इस नीलामी में बल्लेबाज जी कमलिनी, हरफनमौला स्नेह राणा, ऑस्ट्रेलिया की कप्तान सोफी मोलिन्यू और श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू पर बड़ी बोली लग सकती है। ये अनुभवी खिलाड़ी इस डब्ल्यूपीएल लीग का हिस्सा बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और

27 स्लॉट के लिए 146 खिलाड़ी के बीच है मुकाबला



उम्मीद है कि इन पर जमकर बोली लगेगी। नीलामी सूची में खिलाड़ियों को उनकी श्रेणियों के अनुसार बांटा गया है। इसमें 22 भारतीय कैड खिलाड़ी, 14 विदेशी कैड खिलाड़ी, 97 अनकैड भारतीय खिलाड़ी और 13 अनकैड विदेशी खिलाड़ी हैं। ऐसे में फ्रेंचाइजी अपनी टीम की जरूरतों के अनुसार खिलाड़ियों को शामिल कर सकती हैं।

मुख्य चयनकर्ता के तौर पर प्रज्ञान ओझा की राह आसान नहीं

मुम्बई (एजेंसी)। अजीत अगरकर की जगह पर नये मुख्य चयनकर्ता बने प्रज्ञान ओझा की राह आसान नहीं है। अजीत अगरकर की जगह लेने वाले ओझा के लिए यह भूमिका बिल्कुल भी आसान नहीं होगी। उनकी अध्यक्षता में नई चयन समिति में शिव सुंदर दास, आरपी सिंह, अजय रात्रा और रमेश पोवार को शामिल किया गया है। वहीं वनडे विश्व कप में अब जबकि एक साल से भी कम का समय बचा है। उन्हे ये भी ध्यान रखना होगा कि विश्व कप में अब एक साल से भी कम का समय बचा है। बीसीसीआई ने प्रज्ञान ओझा को भारतीय सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम का नया चीफ सिलेक्टर नियुक्त किया है।

उनके लिए सबसे पहली चुनौती रोहित

शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को साधना रहेगा। उन्हें तटस्थ होकर कड़े फैसले लेने होंगे। यह जिम्मेदारी उन्होंने ऐसे समय में संभाली है, जब भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज, रोहित शर्मा और विराट कोहली, अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं और अगले साल होने वाले महत्वपूर्ण विश्व कप में खेलना चाहते हैं। यदि रोहित शर्मा आगामी एकदिवसीय सीरीज में रन बनाने के लिए संघर्ष करते हैं, तो क्या ओझा उन्हें टीम से बाहर करने का मुश्किल फैसला ले पाएंगे? यह सर्वविदित है कि रोहित के भविष्य को लेकर बीसीसीआई और अगरकर के बीच विचारों में मतभेद था।

दिलचस्प बात यह है कि चयनकर्ताओं के ऐसे किसी भी फैसले की जानकारी रोहित को स्वयं ओझा ने ही दी थी, जो अब अध्यक्ष के रूप में उनकी सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

वहीं उनकी दूसरी परीक्षा युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के बीच तालमेल स्थापित



दुर्नामेंटर्स में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था और फाइनल तक का सफर तय किया था। ऐसे में प्रज्ञान ओझा को भी टीम से बेहतर प्रदर्शन लेना होगा।

अकरम के शीर्ष पांच पसंदीदा क्रिकेटों में विराट भी शामिल



लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने अपने पसंदीदा शीर्ष पांच क्रिकेटरों में भारत के विराट कोहली को भी शामिल किया है। वहीं हेरानी की बात है कि अकरम ने सुनील गावस्कर जैसे महान खिलाड़ी को इस सूची में जगह नहीं दी है। अकरम ने पहले नंबर पर वेस्ट इंडीज के पूर्व दिग्गज विवियन रिचर्ड्स को रखा है। वहीं नंबर 2 पर वेस्टइंडीज तेज गेंदबाज कर्टली एम्ब्रोस को जगह दी है। नंबर 3 पर अकरम ने अपने ही देश के पूर्व कप्तान इमरान खान और नंबर 4 पर ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबा एडम गिलक्रिस्ट को जगह दी है जबकि पांचवें नंबर पर विराट कोहली को रखा है। अकरम को इस सूची में गावस्कर और तेंदुलकर शामिल नहीं हैं। गौरतलब है कि रिचर्ड्स गुजरे जमाने के सबसे आक्रामक बल्लेबाज रहे हैं। रिचर्ड्स ने टेस्ट में 121 मैच खेलकर कुल 8540 रन बनाए हैं जिसमें 24 शतक और 45 अर्धशतक शामिल रहे, वहीं, 187 एकदिवसीय में 6721 रन बनाए जिसमें 11 शतक और 45 अर्धशतक शामिल रहे हैं। टेस्ट में रिचर्ड्स ने 50.23 की औसत के साथ रन बनाए तो वहीं, एकदिवसीय में उन्होंने 47.00 के औसत के साथ रन बनाने में सफलता हासिल की थी। गौरतलब है कि अकरम ने अपने टेस्ट करियर में 104 मैच में कुल 414 विकेट लिए हैं जबकि एकदिवसीयों में उनके नाम 356 मैच में कुल 502 विकेट लेने का रिकॉर्ड है।

वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी को लेकर डरे हुए हैं न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज डफी

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के न्यूजीलैंड दौरे को लेकर जहां प्रशंसकों में उत्साह है वहीं न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी डरे हुए नजर आ रहे हैं। डफी को ये डर 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी को लेकर है। भारतीय टीम 22 अक्टूबर से क्राइस्टचर्च में मेजबान कीवी टीम के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इस सीरीज में प्रशंसक वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वैभव ने बहुत कम समय में एक खास पहचान बनाई है। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी विस्फोटक पारियों के बाद सीधे भारतीय टीम में जगह बनाई। अब तक खेले गए आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में वैभव ने 246 रन बनाये चुका है, जिसमें दो शानदार अर्धशतक भी शामिल हैं।

वहीं डफी ने वैभव को आईपीएल के दौरान करीब से बल्लेबाजी करते देखा है और वह अच्छी तरह जानते हैं कि जब यह युवा बल्लेबाज अपनी लय में होता है, तो गेंदबाजों के लिए कितनी बड़ी चुनौती पेश करता है। सूर्यवंशी की लगातार आक्रामक बल्लेबाजी करने की खूबी से डफी थोड़े चिंतित जरूर हैं पर उन्होंने यह भी अलग होगा। डफी आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में शामिल थे वैभव के बारे में बात करते हुए कहा, वह एक जबरदस्त प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने आईपीएल में जमकर रन बनाये हैं। सबसे कमाल की बात यह है कि वह जोरदार तरीके से मारता है और वह ऐसा लगातार करता है। वह हर मैच में 250 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर रहा है और वह बहुत कम मौकों पर चूकता है।

यह पहली बार है जब वह न्यूजीलैंड दौरे पर आए हैं, और यहां की परिस्थितियां उनकी क्षमताओं की कड़ी परीक्षा लेंगी। जफी का मानना है कि न्यूजीलैंड की पिचों पर मिलने वाला अतिरिक्त उछाल और गेंद का सीम मूवमेंट युवा बल्लेबाज के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। उन्होंने कहा, यह उसका पहला दौरा है, है ना? मुझे पक्का नहीं पता, भारत के बाहर, शायद वह इंग्लैंड में खेला है। उसके लिए न्यूजीलैंड की परिस्थितियां थोड़ी अलग होंगी तो जाहिर है कि यह उसके लिए एक चुनौती होगी। लेकिन हमने निश्चित रूप से उसके खेल का अच्छी तरह विश्लेषण किया है और हमारे पास योजना है कि उसके खिलाफ क्या करना है। न्यूजीलैंड टीम ने इस युवा भारतीय प्रतिभा के खिलाफ अपनी रणनीति बनाने के लिए पूरा होमवर्क किया है, जिससे यह सीरीज और भी दिलचस्प होने वाली है।

